सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 126 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 17 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सुकमा में 22 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में मंगलवार को 22 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। नक्सल उन्मूलन नीति और पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान से प्रभावित होकर इन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। पुलिस के सामने सभी ने सरेंडर कर मुख्यधारा में शामिल होकर सरकार के साथ मिलकर काम करने की बात कही है। सुकमा पुलिस का कहना है कि, जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियानों, नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना, सुदृढ़ सड़क संपर्क और विकास कार्यों की बढ़ती पहुंच के चलते माओवादी संगठन का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। इसी का परिणाम है कि माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ पुनर्वास नीति पर भरोसा जताया है। सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने कहा कि, नक्सल संगठन अब कमजोर पड़ गया है। 22 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा और मुख्यधारा में लौट आए हैं। सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को शासन की पुनर्वास नीति का लाभ दिया जाएगा।

कवर्धा में महिलाएं चला रही थी सट्टा

कवर्धा। अवैध सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध कबीरधाम पुलिस ने लगातार अभियान चला रखा है। इसी क्रम में कवर्धा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में दो महिला सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया गया है। पहली कार्रवाई शिवाजी कॉलोनी में की गई है। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वार्ड क्रमांक 1 शिवाजी कॉलोनी, कवर्धा में दबिश दी। यहां नंदनी उर्फ नीलू गुप्ता (42 वर्ष), पति विक्रम गुप्ता, को अपने घर के सामने अवैध रूप से अंकों पर सट्टा खिलाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। दूसरी कार्रवाई पुलिस ने लोहाराना देवारपारा में की। वार्ड क्रमांक 5 लोहाराना का देवारपारा, कवर्धा निवासी पूजा बांधेकर (28 वर्ष), पत्नी संदीप बांधेकर, को अलग प्रकरण में सट्टा गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध पृथक अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई है।

नर्मदा कोल्ड्रिंक्स में रेड, बिलासपुर समेत पांच जगहों पर छापामारी

बिलासपुर। सिरगिट्टी स्थित नर्मदा कोल्ड्रिंग्स फैक्टरी में आयकर विभाग ने छापामार कार्रवाई की है। यह कार्रवाई एक बड़ी जांच का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी के देश भर में फैले कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है। विभाग की एक छह सदस्यीय टीम फैक्ट्री पहुंची है, जहां वह दस्तावेजों की गहन जांच के साथ-साथ कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। आयकर विभाग की यह कार्रवाई सिर्फ बिलासपुर तक सीमित नहीं है। कंपनी के रायपुर, उदयपुर, जबलपुर और नागपुर स्थित ठिकानों पर भी छापे मारे जाने की खबर है।

सीएम साय ने कहा - ऑल द बेस्ट प्यारे बच्चों, एग्जाम से पहले दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ पथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में मंगलवार से सीबीएसई 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। वहीं छत्तीसगढ़ बोर्ड की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षा में शामिल होने वालों विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुभकामनाएं देते हुए कहा — ऑल द बेस्ट, प्यारे बच्चों।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के छात्र-छात्राओं को परीक्षाओं के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आत्मविश्वास और हौसले के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों के नाम अपने आत्मीय संदेश में कहा कि परीक्षाओं का समय जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जिसमें उत्साह के साथ थोड़ा तनाव भी स्वाभाविक है, लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है।

डर को अपने आत्मविश्वास पर हावी न होने दें

मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि परीक्षाओं का समय आ गया है। मैं जानता हूँ कि इन दिनों आपके मन में उत्साह भी है और थोड़ा सा तनाव भी। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं का समय कभी-कभी मन में घबराहट भी लेकर आता है। यह स्वाभाविक है। यदि आपको डर लग रहा है तो इसका अर्थ है कि आप अपनी पढ़ाई और अपने भविष्य को गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले यह समझ लीजिए — डर कमजोरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का संकेत है। लेकिन इस डर को अपने आत्मविश्वास पर हावी न होने दें। आपने पूरे वर्ष मेहनत की है। हर दिन का प्रयास, हर अभ्यास, हर दोहराव — सब आपकी ताकत बनकर आपके साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी नियमित पढ़ाई करें, कठिन विषयों को दोहराएँ, समय का संतुलन बनाए रखें।

सुप्रीम कोर्ट ने माना इसाई पादरी करते हैं धर्मांतरण, गांव में एंट्री बैन बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका, कहा- पेसा कानून के तहत यह सही कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के कुछ आदिवासी गांवों में ईसाई मिशनरियों और पादरियों के प्रवेश पर लगी पाबंदियों को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें कहा गया था कि ईसाई पादरियों ने प्रलोभन और हेरफेर के माध्यम से आदिवासी आबादी का धर्मांतरण किया।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिसने कुछ ग्राम सभाओं द्वारा गांव के प्रवेश द्वारों पर 'होर्डिंग व सूचना बोर्ड' लगाने की कार्रवाई को बरकरार रखा था। सूचना बोर्डों के माध्यम से पादरियों व धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। ऐसा प्रतीत होता है कि ग्राम सभा की कार्रवाई का उद्देश्य ग्रामीणों के धर्मांतरण को जबरन या प्रलोभन देकर रोकना था।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जोर देकर कहा कि हाईकोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता की दलीलें सीमित थीं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में कई नई बातें और आयाम जोड़े गए थे, और ऐसे में वह फिर से हाईकोर्ट का रुख कर सकते थे। गोंजाल्विस ने पीठ को बताया कि ईसाई पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के गांव में प्रवेश पर प्रतिबंध को हाईकोर्ट ने असंवैधानिक नहीं ठहराया था। इसके अलावा, हाईकोर्ट ने बिना किसी सामग्री के आदिवासी क्षेत्रों में मिशनरी गतिविधियों पर टिप्पणी की थी। ऐसे में ग्राम सभा या कहीं और जाने का क्या औचित्य है, उन्होंने सवाल उठाया है।

कांकेर के 14 गावों में लगा था पादरियों के प्रवेश पर बैन

कांकेर जिले में धर्म परिवर्तन की घटनाओं के बाद अब 14 गांवों में पास्टर और पादरियों के प्रवेश पर बैन लगा दिया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक यह कदम उन्होंने अपनी परंपरा और संस्कृति की रक्षा के लिए उठाया है। इन 14 गांवों में से एक जामगांव है जिसकी जनसंख्या करीब 7 हजार है। यहां 14-15 परिवारों ने अघोषित रूप से ईसाई धर्म अपना लिया है। इसी वजह से आदिवासी समुदाय और धर्म परिवर्तन कर चुके परिवारों के बीच दूरी बढ़ गई है। वहीं, ईसाई समुदाय के लोगों का कहना है कि उनके रिश्तेदार भी अब मिलने नहीं आ पाते, क्योंकि जिन गांवों में वे रहते हैं, वहां भी इसी तरह के बोर्ड लगे हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इन ग्राम सभाओं के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

हम्पी गैंगरेप- मर्डर में 3 दोषियों को कोर्ट ने दी फांसी की सजा

विदेशी टूरिस्ट से हुआ था दुष्कर्म

बेंगलुरु। कर्नाटक में पिछले साल एक गैंगरेप हुआ। मामला विदेशों में भी गूंजा। जिसकी गैंगरेप कर हत्या की गई वह एक विदेशी टूरिस्ट थी। अदालत ने इस घटना को रेयरेस्ट ऑफ द रेयर मानते हुए आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है। तीनों आरोपियों मल्लेश उर्फ हांडी, साई और शरणप्पा को कोर्ट ने पिछले हफ्ते दोषी पाया था और अब फांसी की सजा दी है।

6 मार्च 2025 को सनापुर झील और तुंगभद्रा नहर क्षेत्र में हुआ था। लोक अभियोजक नागलक्ष्मी ने अदालत को बताया कि एक 29 साल की भारतीय महिला होमस्टे चलाती थीं। अपने गेस्ट महाराष्ट्र के पंकज, ओडिशा के बिबास, अमेरिकी पर्यटक डेनियल और एक इजराइली महिला को रात करीब 10:30 बजे तुंगभद्रा नहर के पास तारों का नजारा दिखाने ले गई थीं।

इसी दौरान तीनों आरोपी मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और पैसों को लेकर विवाद शुरू किया। आरोपियों ने तीनों पुरुष पर्यटकों को नहर में धक्का दे दिया और उन्हें बाहर निकलने से रोकने के लिए पत्थर फेंके। भारतीय महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, गला घोंटा गया और फिर सामूहिक बलात्कार किया गया। 27 वर्षीय इजरायली महिला पर्यटक के साथ भी सामूहिक बलात्कार किया गया।नहर में धक्का दिए गए पुरुष पर्यटकों में से एक की बाहर न निकल पाने के कारण मौत हो गई, जबकि दो अन्य किसी तरह बच निकले। घटना के बाद पीड़ितों ने सदमे की हालत में पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। गंगावती ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच पूरी होने के बाद अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया।

बोर्ड एग्जाम के चार दिन पहले फंदे से झूली 10 वीं कक्षा की छात्रा, एक दिन पहले लेकर आई थी एडमिट कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीजी बोर्ड की 10वीं की परीक्षाएं 21 फरवरी से शुरू हो रही हैं। इस बीच जामुल थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां एक छात्रा ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 10वीं कक्षा की छात्रा एक दिन पहले सोमवार को स्कूल से एडमिट कार्ड लिया और रात 12 बजे तक पढ़ाई करती रही और सुबह कमरे में फंदे पर लटकती उसकी लाश मिली। छात्रा के इस कदम से परिजनों में मातम का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना जामुल थाना क्षेत्र का है। मृतक छात्रा का नाम नारायणी साहू उम्र लगभग 17 वर्ष है। आत्मानंद विद्यालय हाउसिंग बोर्ड में कक्षा 10 में पढ़ रही थी। घासीदास नगर में वह अपनी पांच बहनों के साथ रहती थी। जामुल पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर 3 बजे वह स्कूल से एडमिट कार्ड लेकर घर पहुंची थी। देर रात तक बहनों के साथ पढ़ाई की इसके बाद सभी सो गए। मंगलवार की सुबह लगभग 5 बजे घर वालों ने देखा कि नारायणी फंदे पर लटकी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतार कर पीएम के लिए भेजा गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि छात्रा पढ़ाई को लेकर काफी तनाव में थी। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किशोर की हत्या, पुरानी रंजिश में चाकू गोदकर मार डाला

पांच संदेहियों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी रंजिश के चलते कुछ युवकों ने चाकू मारकर नाबालिग की हत्या कर दी। देर रात मोहननगर थाना अंतर्गत शांति नगर में हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक नानू गोंड (17) शादियों में घोड़ी चलाने का काम करता था। पुलिस ने इस मामले में पांच संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। वहीं अन्य जानकारी के लिए घटना स्थल के आसपास का सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक मृतक नानू शांति नगर का रहने वाला था और शादियों में घोड़ी चलाने का काम करता था। महाशिवरात्रि के अवसर पर शांति नगर के शिव मंदिर के पास दो दिनों से चल रही भगवान शिव की बारात में वह नाच-गाना कर रहा था। इसी दौरान 16 फरवरी की देर शाम कुछ युवक वहां पहुंचे और उसके साथ कहासुनी शुरू हो गई। विवाद कुछ ही देर में बढ़ गया और युवकों ने चाकू निकालकर नानू पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके पेट, सिर, पीठ सहित शरीर के कई हिस्सों पर वार किया और फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल नानू को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ देर बाद ही इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने देर रात 4 से 5 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एएसपी शहर सुखनंदन राठौर ने बताया कि इस मामले में फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

सीएम ने की झुमका जलाशय में बोटिंग, ओपन थिएटर का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरिया प्रवास के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बैकुंठपुर स्थित प्रसिद्ध झुमका पर्यटन स्थल में निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने झुमका जलाशय में बोटिंग करते हुए क्षेत्र के मनोहारी प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया तथा यहां विकसित की गई पर्यटन सुविधाओं का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री साय ने झुमका जलाशय में शिकारा पर सवार होकर नौका विहार किया। चारों ओर हरियाली, शांत जलराशि और कमल के फूलों से सजा यह रमणीय स्थल अब एक आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां बोटिंग, वाटर स्पोर्ट्स सहित विकसित पर्यटन गतिविधियों की जानकारी ली और व्यवस्थाओं की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने लगभग 27 लाख रुपए की लागत से निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया। 500 दर्शकों की बैठक क्षमता वाला यह ओपन थिएटर सांस्कृतिक आयोजनों के लिए नया केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि झुमका जलाशय केवल कोरिया की पहचान ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाओं का प्रतीक है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक भैयालाल राजवाड़े, संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक झा, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गुलमी वाटरफॉल घूमने गए सीआईएसएफ जवान की डूबने से मौत, 36 घंटे बाद मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर गुलमी वाटरफॉल में सीआईएसएफ के एक जवान के पानी में डूबने से मौत हो गई। 36 घंटे बाद जवान का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को बाहर निकाल लिया है।

नगरनार एनएमडीसी कंपनी में पदस्थ सीआईएसएफ कंपनी के पांच से छह जवान महाशिवरात्रि पर ओडिशा सीमा में स्थित गुलमी वाटरफॉल घूमने गए थे। वहां खाना खाने के बाद 28 वर्षीय जवान आकाश चौधरी नहाने के लिए पानी में उतरा था, तभी वह डूब गया। जब आकाश अपने साथियों को दिखाई नहीं दिया, तो उन्होंने उसकी खोजबीन शुरू की और आवाज भी लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद साथियों ने अपने अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

ई-30 ऑप्स टीम को मिली बड़ी कामयाबी, जंगल में एसएलआर सहित मिला हथियारों का जखीरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले के थाना मैनपुर अंतर्गत ग्राम बड़ेगोबरा के सातमारी पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए माओवादियों द्वारा डंप किए गए स्वचालित हथियारों को बरामद किया है। यह महत्वपूर्ण सफलता जिला पुलिस बल गरियाबंद की ई-30 ऑप्स टीम को मिली है।

जानकारी के अनुसार, जनवरी 2026 में गरियाबंद में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे माओवादियों से गहन पूछताछ के दौरान यह सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की ओडिशा राज्य कमेटी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा सातमारी पहाड़ी में हथियार डंप किए गए हैं। इस सूचना के आधार पर, स्थान की पहचान कर 16 फरवरी 2026 को जिला मुख्यालय से ई-30 ऑप्स टीम को रवाना किया गया। सघन सर्च अभियान के दौरान, पुलिस टीम ने पहाड़ी क्षेत्र से दो एसएलआर, एक इंसास राइफल, 12 बोर बंदूक, तीन एसएलआर मैगजीन, एक इंसास मैगजीन और 28 जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस के अनुसार, ये हथियार डीजीएन डिवीजन द्वारा डंप किए गए थे।

नक्सली हिंसा निष्प्रभावी

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस बरामदगी से गरियाबंद क्षेत्र में संभावित नक्सली हिंसा की आशंकाओं को काफी हद तक निष्प्रभावी कर दिया गया है। जिला पुलिस द्वारा वर्ष 2024 से संचालित नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत 26 जनवरी से पहले धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के सूचीबद्ध सक्रिय माओवादियों को आत्मसमर्पण या निष्क्रिय करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई। वर्ष 2024 से 2026 तक की प्रमुख उपलब्धियों में मुठभेड़ में 31 माओवादियों का मारा जाना, 29 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, 73 हथियार, 62,50,000 रुपये नकद और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री की बरामदगी शामिल है।

संपादकीय

क्या है न्यायपालिका का 'इन-हाउस' जांच तंत्र

भारत में न्यायपालिका की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर बढ़ती शिकायतें भरोसे और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। आम आदमी की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक प्रणाली की शुचिता को बनाए रखना बेहद जरूरी है न्यायपालिका लोकतंत्र का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्तंभ होता है, जो कानून के शासन को बनाए रखने और संविधान की मौलिकता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाता है। भारत में न्यायपालिका को न्याय का मंदिर कहा जाता है, जहां विवादों का निस्तारण कर नागरिक अधिकारों की रक्षा की जाती है। किसी भी तरह की परेशानी या जटिल परिस्थिति में नागरिकों के लिए न्यायपालिका अंतिम आस होती है। ऐसे में अगर न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे, तो उस भरोसे का क्या होगा, जो न्याय की उम्मीद पर टिका होता है। यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई, जिसके मुताबिक वर्ष 2024 में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यानी समय के साथ शिकायतों का यह सिलसिला बढ़ रहा है। दरअसल, लोकतंत्र में न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्षता, पारदर्शिता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करेगी। नागरिक अधिकारों की रक्षा करना न्यायपालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, इसलिए वह जनता के लिए साहस और आत्मविश्वास का स्रोत भी होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति संतुलन बनाए रखने में भी इसकी भूमिका अहम है।

"किसी भी तरह की परेशानी या जटिल परिस्थिति में नागरिकों के लिए न्यायपालिका अंतिम आस होती है। ऐसे में अगर न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे, तो उस भरोसे का क्या होगा, जो न्याय की उम्मीद पर टिका होता है। यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई।

आम आदमी की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक प्रणाली की शुचिता को बनाए रखना बेहद जरूरी है और यह तभी संभव हो पाता है, जब न्यायिक अधिकारियों का आचरण पूरी तरह पाक-साफहो। इसमें दोराय नहीं कि विधायिका और कार्यपालिका की तुलना में आम नागरिक न्यायपालिका पर अधिक निर्भर रहते हैं, क्योंकि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा होता है। न्यायिक प्रक्रिया भी तभी निष्पक्ष और निर्भीक हो सकती है, जब वह किसी भी तरह के अनुचित हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त हो। नियमानुसार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों का निपटारा न्यायपालिका द्वारा 'आंतरिक तंत्र' के माध्यम से किया जाता है। वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दो प्रस्ताव पारित किए गए थे, जिनके तहत शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अनुपालन के लिए कुछ मानक और सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। इनका पालन न होने पर आंतरिक प्रक्रिया के तहत संबंधित न्यायिक अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है। मगर, न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतें बढ़ने का क्रम यह दर्शाता है कि आंतरिक जांच प्रक्रिया या तो धीमी है या फिर उसमें कोई बाधा उत्पन्न हो रही है। न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के मामले यदाकदा सामने आते रहते हैं, लेकिन उनकी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और समय सीमा का अभाव नजर आता है। पिछले वर्ष मार्च में सामने आए एक न्यायाधीश के दिल्ली स्थित आवास पर जले हुए नोटों की गड्डी मिलने के मामले में अब तक कोई खास प्रगति न होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर यह मामला किसी प्रशासनिक अधिकारी या आम नागरिक से जुड़ा होता, तो जांच प्रक्रिया अब तक काफी आगे पहुंच गई होती। इस स्थिति के पीछे उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों के मामलों में जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया का जटिल ढांचा भी एक बड़ा कारण है, जिसे सरल एवं स्पष्ट बनाए जाने की जरूरत है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों का भरोसा कायम रहे।

श्रम संहिताएं: एक नई दृष्टि

प्रो बीजू वर्के, डॉ शैलजा त्रिपाठी

चार श्रम संहिताओं की 21 नवंबर, 2025 को आधिकारिक घोषणा के साथ ही एक नए युग की शुरुआत हो गई है। यह घोषणा भारत की श्रम कानून व्यवस्था में एक बड़े ढांचागत सुधार का संकेत है। अनुमानों के अनुरूप ही इसकी सराहना और आलोचना, दोनों ही की गई है। बहुप्रतीक्षित श्रम कानून सुधारों ने कामगारों से संबंधित 29 से ज्यादा कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेट दिया है।

भारतीय श्रम कानूनों में सुधारों की मांग लंबे अरसे से चली आ रही थी। इस संबंध में समय-समय पर सीमित घोषणाएं की गईं और उन्हें टुकड़ों में लागू किया गया। सभी हितधारक इस बात पर सहमत थे कि देश को आगे ले जाने के लिए एक उत्पादक, समावेशी और सशक्त कार्यबल तथा कामकाज का उपयुक्त परिवेश जरूरी है। बदलाव की इच्छा सब में होने के बावजूद हर हितधारक की अपनी अलग-अलग उम्मीदें और चिंताएँ थीं।

इन सुधारों का उद्देश्य श्रमिक कल्याण को मजबूती देना और अनुपालन को सरल बनाना है। श्रम नियमन के ढांचे को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना तथा व्यवसाय सुगमता में वृद्धि के उपायों को मजबूत करना भी इनका उद्देश्य रहा है। इन सुधारों के तहत 29 महत्वपूर्ण कानूनों को वेतन, सामाजिक संरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंध से जुड़ी चार संहिताओं में समेट दिया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रमिकों के कामकाज को औपचारिक रूप देना, कानून के दायरे से अब तक बाहर रहे अनौपचारिक, अस्थाई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए काम करने वाले कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना, महिला अधिकारों का संवर्द्धन तथा सभी क्षेत्रों में नियोक्ता-श्रमिक संबंधों को आधुनिक बनाना है।

नई श्रम संहिताओं की नीचे वर्णित कुछ विशिष्टताएं उन्हें देश की मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाती हैं-

सुदृढ़ीकरण और सामंजस्य: भारत के श्रम कानून ऐतिहासिक तौर पर विभाजित तथा परिभाषाओं की बहुलता और सख्त अनुपालन व्यवस्थाओं से ग्रसित थे। नियोक्ताओं को एकदूसरे से मिलती-जुलती अनेक नियामक जरूरतों का सामना करना पड़ता था। श्रमिक और खास तौर से असंगठित कामगार आम तौर पर वैधानिक संरक्षण के दायरे से बाहर थे। श्रम संहिताओं ने अनुपालन की पिछली जटिल प्रणाली को समरूप परिभाषाओं, डिजिटल प्रक्रियाओं और विस्तारित दायरे से सरल बनाया है। सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों का अनुपालन: सुधारों में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों को शामिल किया गया है। इन कार्य सिद्धांतों में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगारों का सृजन, श्रमिक अधिकारों और समानता का संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा और संवाद शामिल है। अनुपालन का सरलीकरण: पुरानी प्रणाली में अत्यधिक कागजी कार्रवाई, निरीक्षणों पर अतिनिर्भरता और कमजोर अनुपालन जैसी खामियां थीं। नई संहिताओं में अनुपालन प्रणालियों को सुचारू बनाने के साथ ही उल्लंघनों को रोकने के लिए कठोर दंड की व्यवस्था की गई है।

संवहनीय विकास लक्ष्यों के साथ तालमेल: ये संहिताएं श्रमिक अधिकारों को मजबूत कर, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करते हुए तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देकर संवहनीय विकास लक्ष्य (एसडीजी) 8 को आगे बढ़ाती हैं। इसके अलावा ये एसडीजी 1,3,5 और 10 को हासिल करने में भी सहायक हैं।

कार्य संबंधी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप: इन संहिताओं में तेज आर्थिक और प्रौद्योगिकीय बदलावों को ध्यान में रखा गया है। इनमें विस्तारित परिभाषाओं, पुनर्प्रशिक्षण के प्रावधानों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज और वैकल्पिक कार्य व्यवस्थाओं के औपचारीकरण के जरिए भविष्य की कार्य संबंधी चिंताओं का निराकरण किया गया है।

वेतन संहिता, 2019: यह संहिता पिछले चार कानूनों को एकीकृत करती है और मजदूरी की एक समान परिभाषा तथा 'राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी' की अवधारणा पेश करती है। यह व्यापक और अधिक सुसंगत वेतन सुरक्षा सुनिश्चित करती है, समय पर भुगतान को अनिवार्य बनाती है, और समान पारिश्रमिक के नियम को सुदृढ़ करती है, जिससे आय सुरक्षा मजबूत होती है और विवादों में कमी आती है। औद्योगिक संबंध संहिता, 2020: यह संहिता मजदूर संगठनों, औद्योगिक विवादों और स्थायी आदेशों को नियंत्रित करने वाले कानूनों को एक साथ लाती है। यह विवाद समाधान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, निश्चित समय-सीमा निर्धारित करती है और हड़ताल, कामबंदी तथा छंटनी से जुड़े नियमों को तर्कसंगत बनाती है। जहाँ यह नियोक्ताओं को परिचालन के लिए लचीलापन प्रदान करती है, वहीं सामूहिक सौदेबाजी और कानूनी समाधान के लिए सुरक्षा उपायों को भी बरकरार रखती है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020: यह संहिता संगठित क्षेत्र से आगे जाकर सुरक्षा के दायरे का विस्तार करके एक बड़े बदलाव का संकेत देती है। इसके अंतर्गत गिग कामगारों, प्लेटफॉर्म के जरिये काम करने वाले श्रमिकों को भविष्य निधि, बीमा, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था सुरक्षा से संबंधित वैधानिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने का प्रावधान किया गया है।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति (ओएसएच) संहिता, 2020: यह ओएसएच संहिता सुरक्षा से संबंधित कई कानूनों को एक एकीकृत ढांचे में समाहित करती है। यह कार्यस्थल सुरक्षा मानदंडों का मानकीकरण करती है, नियामक निरीक्षण को मजबूत करती है और सभी क्षेत्रों में इसे लागू करने में सुधार करती है। वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा नए श्रम कानूनों के बारे में नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि इन संहिताओं ने बेहतर भविष्य के प्रति सकारात्मक उम्मीद जगाई है। जहाँ 64त्र श्रमिकों का मानना है कि संहिताओं के लागू होने से आय सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं नियोक्ताओं ने भी निश्चित अवधि के रोजगार अनुबंधों (64त्र) और कार्यस्थल सुरक्षा (73त्र) को लेकर इसी तरह के भाव व्यक्त किए हैं। दोनों ही हितधारक इन संहिताओं को एक ऐसे साधन के रूप में देखते हैं जो दोनों पक्षों के अनुभवों को बेहतर बनाएगा।

चारों श्रम संहिताएं भारत के श्रम शासन में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। पुराने पड़ चुके कानूनों को एकीकरण, सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार और नियोक्ताओं के लचीलेपन तथा श्रमिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाकर, इन सुधारों का उद्देश्य एक अधिक कुशल, समावेशी और विकासोन्मुखी श्रम बाजार बनाना है। चूंकि ये संहिताएं कार्यान्वयन के शुरुआती चरण में हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि सभी हितधारक इन्हें खुले मन से अपनाएं और 'विफलता से सीखकर तेजी से सुधार' करने वाला दृष्टिकोण रखें। इनकी अंतिम सफलता इनके प्रभावी कार्यान्वयन, हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने और संवैधानिक मूल्यों तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों की तरह निरंतर अमल में लाने पर निर्भर करेगी।

(लेखक, प्रो. बीजू वर्के आईआईएम अहमदाबाद में प्रोफेसर और डॉ शैलजा त्रिपाठी वेजइंडिकेटर हैं)

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के नीतिगत-समूहगत वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

एआई इम्पैक्ट समिट को सात 'चक्रों' में बांटा गया है, जो कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और उच्च-स्तरीय बैठकों के रूप में आयोजित होंगे। पहला, डेमोक्रेटाइजिंग ढ्ढ रिसोर्सेज यानी सार्वजनिक ढ्ढ संसाधनों को किफायती बनाना (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष)। दूसरा, वैश्विक प्रभाव चुनौतियां यानी समावेशी ढ्ढ नवाचारों को प्रोत्साहन। एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में 16-20 फरवरी 2026 को आयोजित एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) के जिम्मेदार और समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए पहला बड़ा ढ्ढ शिखर सम्मेलन है, जो 100+ देशों से 35,000+ प्रतिनिधियों को एकजुट कर रहा है। देखा जाए तो यह समिट इंडियाढ्ढ मिशन के तहत आयोजित हो रहा है, जिसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, उद्योग नेता, शोधकर्ता और सिविल सोसाइटी शामिल होंगे।

वास्तव में यह आयोजन UK AI Safety Summit, Seoul AI Summit जैसे पूर्व आयोजनों की निरंतरता में वैश्विक AI सहयोग को मजबूत करेगा। जिसका मुख्य थीम 'पीपुल, प्लैनेट, प्रोग्रेस' है। ये नीतियों को व्यावहारिक प्रभाव में बदलने पर जोर देता है। इस समिट का वैश्विक महत्व यह है कि ढ्ढ इम्पैक्ट समिट ढ्ढ के लोकतंत्रीकरण पर फोकस करता है, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संसाधनों को सुलभ बनाने हेतु सक्रिय किया गया है।

वहीं, भारत की पूरक नवाचार क्षमता ग्लोबल ढ्ढ नेतृत्व स्थापित करने में मदद करेगी, साथ ही जिम्मेदार ढ्ढ शासन के मानकों को आकार देगी। इसमें 16 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी आर्थिक कूटनीति और विकासशील राष्ट्रों की आवाज को मजबूत करेगी। इसकी प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं जो डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाने पर काम कर रहा है।

जहां तक इसके वैश्विक प्रभाव की बात है तो इससे जुड़ीं चुनौतियां समावेशी ढ्ढ नवाचारों को प्रोत्साहित करेंगी। लिहाजा यह समिट ढ्ढ को आर्थिक-रणनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित कर वैश्विक विभाजन को पाटेगा। दरअसल, एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का मुख्य एजेंडा एआई को जिम्मेदार, समावेशी और प्रभावी बनाने पर केंद्रित है, जो तीन सूत्रों—लोग , ग्रह , और प्रगति —पर आधारित है। यह एजेंडा एक्शन से इंपैक्ट की ओर बढ़ने पर जोर देता है, जिसमें नीतियों को व्यावहारिक बदलावों में बदलना शामिल है। इस आयोजन का मुख्य सूत्र ,निम्नवत है:- पहला, लोग यानी एआई का समावेशी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय में उपयोग। दूसरा, ग्रह यानी पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से लड़ाई और सतत विकास। और तीसरा, प्रगति यानी आर्थिक विकास, उत्पादकता वृद्धि और नवाचार को बढ़ावा। इसके दृष्टिगत ही प्रमुख सत्र और चक्र को निर्धारित किया गया है।

एआई इम्पैक्ट समिट को सात 'चक्रों' (फोकस एरियाज) में बांटा गया है, जो कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और उच्च-स्तरीय बैठकों के रूप में आयोजित होंगे। पहला, डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज यानी सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाना (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष)। दूसरा, वैश्विक प्रभाव चुनौतियां यानी समावेशी ढ्ढ नवाचारों को प्रोत्साहन। तीसरा, अन्य सत्र जैसे वैज्ञानिक शोध में ढ्ढ (डॉ. अर्चना शर्मा जैसे विशेषज्ञ), उद्योग नेताओं के साथ नीति चर्चा, और टेक दिग्गजों की भागीदारी। जहां तक इसके अपेक्षित परिणाम की बात है तो ये सत्र 100+ देशों के नेताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों को जोड़कर वैश्विक ढ्ढ शासन के मानक स्थापित करेंगे। यह समिट 16-20 फरवरी को नई दिल्ली में चल रहा है, जो ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूत करेगा।

दरअसल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से अपेक्षित प्रमुख परिणाम जिम्मेदार ढ्ढ के वैश्विक मानकों को मजबूत करना और ग्लोबल साउथ के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा देना हैं। यह समिट मापने योग्य प्रभावों पर केंद्रित है, जैसे एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण और नीतिगत सहमति। इस दौरान नीतिगत समझौते भी होंगे।

इस समिट से एआई शासन के लिए सात कार्य समूहों (चक्रों) के माध्यम से ठोस प्रतिबद्धताएं अपेक्षित हैं, जिनमें डेमोक्रेटाइजिंग ढ्ढ रिसोर्सेज और सुरक्षित ढ्ढ पर फोकस शामिल है। वास्तव में ये समझौते स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में ढ्ढ अनुप्रयोगों का विस्तार सुनिश्चित करेंगे। जहां तक इसके आर्थिक-सामाजिक प्रभाव की बात है तो वैश्विक दक्षिण में कौशल विकास, सतत ढ्ढ समाधान और समावेशी नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो असमानताओं को कम करेगा। भारत के नेतृत्व में 100+ देशों की भागीदारी से आर्थिक कूटनीति मजबूत होगी। इसके दीर्घकालिक परिणाम भी सकारात्मक मिलेंगे। वास्तव में यह समिट ढ्ढ एक्शन प्लान और अगले वैश्विक शिखरों की नींव रखेगा, जो पर्यावरण संरक्षण (क्च्यड्डठ्ठद्गह्ल) और प्रगति (क्क्रशद्दह्मद्गह्यह्य) को जोड़ेगा। कुल मिलाकर, यह ढ्ढ को व्यापक लाभ पहुंचाने वाली तकनीक के रूप में स्थापित करेगा।

-वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

धान-परती भूमि में सरसों की खेती से किसानों की अच्छी आय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की परती भूमि अब सोना उगलने लगी है। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य में किसानों का रुझान राई-सरसों की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इससे न केवल किसानों को अतिरिक्त आमदनी मिलना शुरू हुई है, बल्कि देश को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने की राह भी आसान होती नजर आ रही है। बता दें कि यहां के किसान धान कटाई के बाद खेतों को खाली छोड़ देते हैं, यानी रबी फसल की बुवाई नहीं करते हैं।

इस कारण उनकी आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। किसानों के इन हालातों को देखते हुए आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने ठोस रोडमैप के साथ प्रयास शुरू किए। परिणामस्वरूप परती भूमि पर अब सरसों की फसल लहलहाने लगी है। संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य की भूमि में खजाना छिपा हुआ है। यदि किसान धान कटाई के बाद देर से पकने वाली राई-सरसों किस्मों की बुवाई करें तो उनकी आर्थिक स्थिति में असम के किसानों के समान बदलाव देखने को मिल सकता है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कुल कृषि क्षेत्र 4.78 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें केवल 23 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। वार्षिक वर्षा लगभग 1190 मिमी है, जिसमें लगभग 88 प्रतिशत वर्षा मानसून (मध्य जून से सितंबर) के दौरान होती है। इस दौरान किसान धान का बड़े पैमाने पर उत्पादन लेते हैं। वहीं रबी में गेहूं और थोड़े क्षेत्रफल में दलहनों की बुवाई करते हैं, लेकिन राई-सरसों का उत्पादन हाशिए पर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परती भूमि, बस्तर के पठारी और उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में राई-सरसों की खेती की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का यह शुरुआती प्रयास है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि धान कटाई के बाद कृषि भूमि परती रह जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता और किसानों की आय बढ़ाने के अवसर सीमित हो जाते हैं। राई-सरसों की फसल परती भूमि को उत्पादक बनाने में मददगार बन सकती है।

परती भूमि की चुनौती

छत्तीसगढ़ में लगभग 3.9 मिलियन हेक्टेयर में धान की खेती होती है, जबकि धान उत्पादन लगभग 9.8 मिलियन टन है। खरीफ में अधिक वर्षा और चिकनी मिट्टी के कारण धान का उत्पादन भरपूर होता है, लेकिन रबी में यही खेती सीमित रह जाती है। धान के कुल क्षेत्र का लगभग 32 प्रतिशत भाग ही सिंचित है, जिससे कटाई के बाद पठारी और पहाड़ी क्षेत्रों के लगभग 40ङ्क60 प्रतिशत खेत परती रह जाते हैं। इस स्थिति में राई-सरसों का बुवाई क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है।

31 हजार हेक्टेयर में खेती

संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि यहां की जलवायु रबी तिलहन के लिए अनुकूल है, बशर्ते खरीफके बाद मृदा में नमी का संरक्षण और उचित कृषि तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जाए। क्योंकि राई-सरसों को कम पानी में उगाया जा सकता है और यह कम समय में पक जाती है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में महज 31 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की खेती होती है। करीब 17,260 टन उत्पादन और उत्पादकता 563 किग्रा प्रति हेक्टेयर है, जिसे वैज्ञानिक तकनीकों के समावेश से और बढ़ाया जा सकता है।

20 प्रतिशत ज्यादा उपज

उन्होंने बताया कि अनुसंधान परीक्षण के आधार पर धान के परती खेतों में राई-सरसों की अच्छी पैदावार मिलती है। इस फसल की लगभग 20 प्रतिशत अधिक पैदावार प्राप्त हुई है। प्रदर्शन के दौरान सरसों की किस्म डीआरएमआर-150-35 ने उत्साहजनक परिणाम दिए। यह किस्म 95ङ्क110 दिनों में पक जाती है, जिससे धान की कटाई के बाद मध्य नवंबर से दिसंबर के प्रथम सप्ताह तक इसकी बुवाई सहजता से की जा सकती है। इसके अलावा किसान छत्तीसगढ़ सरसों, टीबीएम, एनआरसीएचबी-101 और बीबीएम-1 जैसी किस्मों का उपयोग कर सकते हैं।

किसानों को आजीविका सुरक्षा

धान परती क्षेत्रों में राई-सरसों को शामिल करने से किसानों की आय और आजीविका सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार संभव है। वर्षा आधारित धान पारिस्थितिकी तंत्र में किए गए प्रदर्शनों से यह सिद्ध हुआ है कि शून्य जुताई के तहत राई-सरसों से 8ङ्क14 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है। इससे प्रति हेक्टेयर 27 हजार रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। साथ ही सरसों के साथ मधुमक्खी पालन करके किसान अपनी आमदनी को और भी बढ़ा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में राई-सरसों की खेती किसानों को त्रिस्तरीय लाभ दे सकती है, जिसमें आय वृद्धि, परती भूमि का उपयोग और खाद्य तेल उत्पादन में बढ़ोतरी शामिल है। फसल से राज्य के कृषि परिदृश्य को बदला जा सकता है। इस फसल पर अनुसंधान के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं।

डॉ. पी.के. राय, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

बांग्लादेश में बदलाव

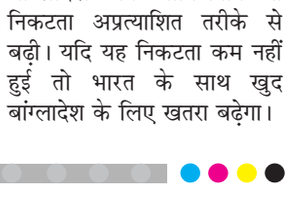

लंबे समय तक अस्थिरता-अराजकता से जूझते रहे बांग्लादेश के चुनाव परिणाम इस देश को स्थिरता प्रदान करते दिख रहे हैं। इसका कारण यह है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी सरकार बनाने के लिए आवश्यक सीटों से कहीं अधिक सीटें जीतने में सफल रही और उसके नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफहो गया।

बांग्लादेश के चुनाव आम तौर पर शांतिपूर्ण रहे, लेकिन उन्हें निष्पक्ष नहीं कहा जा सकता, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित कर चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। तथ्य यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल के रूप उभरी जमात-ए-इस्लामी चुनाव नतीजों को स्वीकार करने में आनाकानी करती दिख रही है। बांग्लादेश में हमेशा चुनावों की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर चुनाव लड़ी छात्रों की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी को कोई खास सफलता न मिलना भी भारत के लिए राहतकारी है। इन्हीं छात्रों ने जुलाई 2024 में शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था, जिसके नतीजे में उन्हें भारत में शरण लेनी पड़ी थी। भारत विरोधी तेवर अपनाए नेशनल सिटीजन पार्टी का हश्र यही बताता है कि उसका आंदोलन न तो किसी क्रांति का परिचायक था और न ही किसी सकारात्मक बदलाव का। चूंकि बांग्लादेश में चुनाव के साथ संवैधानिक बदलावों पर जनमत संग्रह भी हुआ, इसलिए वहां नई सरकार के गठन के साथ ही राजनीतिक ढांचे में परिवर्तन होना तय है। भारत को न केवल यह देखना होगा कि बांग्लादेश की नई सरकार उसके हितों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देती है या नहीं, बल्कि यह भी कि वह कट्टरपंथियों समेत अन्य भारत विरोधी तत्वों पर लगाम लगाती है या नहीं? भारत को यह तो खास तौर पर देखना होगा कि इस पड़ोसी देश में हिंदुओं का दमन रुकता है या नहीं? बांग्लादेश की नई सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके यहां पूर्वोत्तर भारत के विद्रोही गुटों को शरण न मिले। भारत की चिंता का विषय यह भी रहा है कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के समय बांग्लादेश की पाकिस्तान से निकटता अप्रत्याशित तरीके से बढ़ी। यदि यह निकटता कम नहीं हुई तो भारत के साथ खुद बांग्लादेश के लिए खतरा बढ़ेगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

प्राचीन चन्द्रमौलिश्वर मंदिर में मनी महाशिवरात्रि

दुर्ग। सौ साल से अधिक प्राचीन सोठ भाठागांव में स्थित श्री चन्द्रमौलिश्वर मंदिर शिवभक्तों की आस्था, विश्वास और भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ऐसी मान्यता है कि यहां साक्षात भगवान शिव चन्द्रमौलिश्वर के रूप में विराजमान हैं और सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना अवश्य पूर्ण करते हैं। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिवभक्त प्रशांत कुमार क्षीरसागर ने कहा कि यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र है, जहां आकर भक्तों को आत्मिक शांति की अनुभूति होती है।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में महाशिवरात्रि

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने ध्वजारोहण किया एवं चैतन्य प्रभा दीदी, कामिनि बहन, संगीता बहन, देवकी बहन, साक्षी बहन और सभी भाई-बहनों के सानिध्य में निराकार परमपिता परमात्मा शिवबाबा का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया व रीटा दीदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। चैतन्य प्रभा दीदी द्धारा सभी भाई बहनों को प्रतिज्ञा कराया गया।

रात 10 से सुबह 6 बजे तक नहीं बजेगा लाउडस्पीकर

दुर्ग। ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने आदेश जारी करते हुए सम्पूर्ण दुर्ग जिले में रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर 30 जून 2026 तक प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 14 फरवरी 2000 को अधिसूचित ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत जारी किया गया है। विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों के अध्ययन में व्यवधान रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक साल के लिए संरक्षित क्षेत्र

दुर्ग। जिला प्रशासन ने मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बोरई-रसमड़ा के औद्योगिक परिसर को एक वर्ष की अवधि के लिए 'संरक्षित क्षेत्र' घोषित कर दिया है। यह आदेश छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 26 (1) (2) के तहत जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किया है।

सतत् चिकित्सा सेवा एवं रचनात्मक सामाजिक कार्यों के लिए ठाकुर को छत्तीसगढ़ गौरव रत्न सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर तथा सचिव, जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर को छत्तीसगढ़ शासन के मुखिया विष्णु देव साय द्वारा 'छत्तीसगढ़ गौरव रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें वर्षों से किए जा रहे सतत सेवा, चिकित्सा एवं रचनात्मक सामाजिक कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

दिलीप ठाकुर द्वारा आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग अंतर्गत संचालित विज्ञान विकास केंद्र तथा एससी/एसटी कन्या छात्रावास परिसर, दुर्ग की छात्राओं के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं मार्गदर्शन शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। साथ ही सेंट्रल जेल के चिह्नित बंदियों को चिकित्सा सेवाएं, पुलगांव नाका स्थित समाज कल्याण विभाग के वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण, मार्गदर्शन एवं दवाइयों का वितरण भी निरंतर किया गया।

आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यों में अग्रणी श्री सत्य साईं सेवा समिति के तत्वावधान में ग्रामीण अंचलों में विशाल मेडिकल कैंप आयोजित कर चिह्नित नेत्र रोगियों को चश्मे उपलब्ध कराए गए। अनेक दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण दिलाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। गर्मी में प्याऊ सेवा के माध्यम से वर्षों से उल्लेखनीय योगदान दिया जा रहा है।

कोरोना काल में जरूरतमंदों को मास्क, सेनेटाइजर एवं राशन उपलब्ध कराने में उनके योगदान के लिए जिला प्रशासन द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। इससे पहले भी उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा मूल्यवान सेवा एवं रचनात्मक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा राज्य स्तरीय 'गुरु रत्न' एवं 'छत्तीसगढ़ सेवा रत्न' सम्मान से भी अलंकृत किया जा चुका है। इस सम्मान पर श्री सत्य साईं सेवा समिति, सत्यम शिवम् सुंदरम समिति, जिला चिकित्सालय जीवन दीप समिति, राजपूत क्षत्रिय महासभा, केंद्रीय गोंडवाना समाज, छ.ग. स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने हर्ष व्यक्त किया है।

डाकघर में करोड़ों रुपए का फर्जीवाड़ा, साफ हो गया ग्राहकों का खाता, सड़क पर बैठे ग्रामीण

विधायक हर्षिता बघेल भी धरने पर बैठीं, आला अधिकारियों ने दिया रकम वापस दिलाने का आश्वासन

श्रीकंचनपथ समाचार

डोंगरगढ़। एक पोस्ट मास्टर ने फर्जीवाड़ा कर न केवल खाताधारकों का खाता साफ कर दिया बल्कि कई लोगों के नाम से डुप्लीकेट पासबुक तक बनवा ली। जब खुलासा हुआ तो ग्रामीणों के होश उड़ गए। डाकघर का घेराव करने के साथ उन्होंने सड़क जाम कर दिया। विधायक हर्षिता बघेल भी उनके साथ धरने पर बैठ गईं। तब कहीं जाकर जिला प्रशासन के कान खड़े हुए।

मामला छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ ब्लॉक के ग्राम जटकन्हार का है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पोस्ट मास्टर आशीष मंडावी ने खाताधारकों के खातों से फर्जी तरीके से रकम आहरित कर ली और कई लोगों के नाम से डुप्लीकेट पासबुक तक बना दी। आक्रोशित ग्रामीणों ने पोस्ट ऑफिस का घेराव कर सड़क पर चक्काजाम कर दिया। वे अपना पैसा वापस दिलाने के साथ-साथ आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों के अनुसार, ग्राहकों को तब झटका लगा जब वे अपनी जमा पूंजी निकालने पहुंचे और खाते में शून्य या कम राशि दिखाई दी। जांच करने पर डुप्लीकेट पासबुक बनाए जाने का भी खुलासा हुआ। पीड़ितों का कहना है कि वे कई दिनों से डोंगरगढ़ पोस्ट ऑफिस और डोंगरगढ़ थाने के चक्कर काट रहे थे, लेकिन न तो विभाग ने कोई ठोस कदम उठाया और न ही पुलिस की ओर से तत्काल कार्रवाई की गई।

आरोप है कि शिकायत करने पहुंचे ग्रामीणों के साथ दुर्व्यवहार तक किया गया। लगातार अनदेखी से नाराज करीब 8 गांवों के ग्रामीण तड़के डोंगरगढ़ पोस्ट ऑफिस पहुंच गए और घेराव करते हुए सड़क पर चक्काजाम कर दिया। घंटों तक आवागमन बाधित रहा। जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आने से बचते रहे।

पीड़ितों के साथ धरने पर बैठी विधायक हर्षिता बघेल

डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचीं और ग्रामीणों के समर्थन में सड़क पर धरने पर बैठ गईं। विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने कहा कि डाक विभाग केंद्र सरकार के अधीन आता है और यदि करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के बावजूद कार्रवाई नहीं होती है तो यह शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

आला- अधिकारियों ने दिया कार्रवाई का आश्वाशन

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पोस्ट ऑफिस विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। सुप्रिटेंडेंट ऑफ पोस्ट ऑफिस महेंद्र शर्मा ने पूरे मामले की जांच कर जल्द कार्रवाई करने, पीड़ितों को उनकी राशि लौटाने और आरोपी पोस्ट मास्टर के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ।

बीएसपी के ऊर्जा प्रबंधन विभाग में सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ऊर्जा प्रबंधन विभाग (ईएमडी) द्वारा दिनांक 10 फरवरी से 14 फरवरी 2026 तक 'सुरक्षा सप्ताह' का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विभाग में सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति को और मजबूत करना, निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करना तथा कार्यस्थल पर संभावित खतरों की सक्रिय पहचान को बढ़ावा देना रहा।

आयोजन के माध्यम से विभाग की सामूहिक प्रतिबद्धता को पुन: सुदृढ़ किया गया। इसका लक्ष्य शून्य क्षति कार्यस्थल की परिकल्पना को साकार करना है। ऊर्जा प्रबंधन विभाग के विभिन्न अनुभागों के कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में सुरक्षित कार्य पद्धतियों को अपनाने तथा संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर उन्हें नियंत्रित करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि किसी भी घटना के घटित होने से पूर्व ही प्रभावी निवारक कदम उठाए जा सकें।

सुरक्षा सप्ताह के दौरान जागरूकता और सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कर्मचारियों की रचनात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षा स्लोगन लेखन, पोस्टर निर्माण तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से कर्मचारियों को कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति अपनी समझ और प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ।

बच्चे नदारद, शिक्षक देख रहे रील, रसोई में खुज्जी कुत्ता

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पीएम श्री योजना के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में आगामी 16 से 25 फरवरी तक भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित निरीक्षण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा निर्धारित 21 बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की।

डीईओ ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला गिरहोला, पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अहिवारा, जामुल, बालाजीनगर, पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय जरवाय, बालाजीनगर, बानबरद तथा शासकीय प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक शाला गिरहोला, अहिवारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पूर्व माध्यमिक शाला गिरहोला में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति तथा शिक्षकों के स्टाफ रूम में बैठे पाए जाने पर डीईओ ने नाराजगी जताई। शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल अहिवारा में व्याख्याता रीता प्रधान और रेखा साहू अनुपस्थित पाए गए। कन्या पूर्व माध्यमिक शाला अहिवारा में शिक्षक पीतांबर शर्मा अनुपस्थित मिले, जबकि उपस्थित प्रधान पाठक एमए खान अपने कक्ष में मोबाइल देखते पाए गए। कई विद्यालयों में विद्यार्थी परिसर में इधर-उधर घूमते नजर आए। इन सभी मामलों में डीईओ ने संबंधितों को कड़ी समझाईश दी तथा कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

पीएम श्री प्राथमिक शाला जरवाय में मध्यान्ह भोजन के दौरान परिसर में बीमार कुत्तों की मौजूदगी पर उन्होंने प्रभारी शिक्षक को फटकार लगाते हुए आवारा पशुओं के प्रवेश को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। वहीं पीएम श्री प्राथमिक शाला बालाजीनगर में निर्माण सामग्री (गिट्टी, रेत) बिखरी मिलने और परिसर में गंदगी पाए जाने पर प्रधान पाठक को तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा।

पुलिस की 'होली कॉम्बिंग' शुरू, सात धरे गए

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। होली त्यौहार के पूर्व सघन कार्रवाई के मद्देनजर खुर्सीपार पुलिस ने धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने वाले 4 आरोपी एवं 3 अपचारी बालकों को गिरफ्तार किया गया है। आम नागरिकों को भयभीत करने की सूचना पर त्वरित घेराबंदी कर गिरफ्तारी की गई है। अलग-अलग थानों में आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियार जप्त कर वैधानिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय प्रस्तुत किया गया।

आगामी होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले में चाकूबाजी एवं धारदार हथियार लेकर आमजन को भयभीत करने वालों के विरुद्ध विशेष निगरानी एवं सघन अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को थाना खुर्सीपार, पुरानी भिलाई एवं छावनी पुलिस को पृथक-पृथक सूचना प्राप्त हुई कि कुछ युवक एवं अपचारी बालक सार्वजनिक स्थलों पर धारदार हथियार दिखाकर आम नागरिकों को डरा रहे हैं। सूचना पर संबंधित थाना पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की कार्रवाई की गई। आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियार जप्त किए गए। आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

शॉप्स जोन कार्मिकों की पत्नियों ने देखा पतियों का कार्यस्थल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कार्मिकों एवं उनके परिवारों के साथ संवाद और आत्मीयता को सुदृढ़ करने तथा संयंत्र की कार्यप्रणाली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शॉप्स ज़ोन द्वारा 14 फरवरी 2026 को आप भी जानिये कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य कार्मिकों की पत्नियों को संयंत्र के विभिन्न कार्यक्षेत्रों एवं उत्पादन प्रक्रियाओं से परिचित कराना था, ताकि वे अपने परिवार के सदस्य के कार्यस्थल और उसकी जिम्मेदारियों को निकट से समझ सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ एचआरडी सेंटर में हुआ, जिसमें 23 कार्मिकों की पत्नियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) एच. के सचदेव, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-वर्क्स) संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-लौह एवं इस्पात) के सुपर्णा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-मिल्स, एम एंड एस) प्रताप शेखर नायक, विभागीय सुरक्षा अधिकारी श्री सत्य प्रकाश वर्मा सहित मानव संसाधन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसके पश्चात प्रतिभागियों को संयंत्र का विस्तृत भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान उन्हें ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया), एसएमएस-3, यूनिवर्सल रेल मिल, प्लेट मिल तथा कोक ओवन्स का भ्रमण कराया गया।

अधिकारियों द्वारा उत्पादन प्रक्रियाओं, सुरक्षा मानकों तथा संयंत्र की तकनीकी दक्षता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं।

भ्रमण उपरांत विभागीय सम्मेलन कक्ष में मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) एचके सचदेव द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए संयंत्र की विशालता, अनुशासन एवं कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्हें स्मृति-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया। सहायक प्रबंधक मिहिर मनोहर एवं कनिष्ठ प्रबंधक बी. गोपाल राव ने कार्यक्रम का समन्वय किया। अंत में महाप्रबंधक (मानव संसाधन-मिल्स, एम एंड एस) प्रताप शेखर नाएक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

बीएसपी में ओएसएच डब्ल्यूसी संहिता पर संवाद सत्र का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग (एसईडी) द्वारा बीएमडीसी में नवघोषित व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा (ओएसएचडब्ल्यूसी) संहिता, 2020 पर एक उच्चस्तरीय संवादात्मक सह-प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संयंत्र के सभी मुख्य महाप्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) डी सतपथी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उद्घाटन किया।

इस सत्र का उद्देश्य श्रम संहिताओं, विशेषकर भारत सरकार द्वारा अधिसूचित (ओएसएच डब्ल्यूसी) संहिता, 2020, के प्रावधानों की स्पष्ट एवं व्यापक समझ संयंत्र के शीर्ष नेतृत्व को प्रदान करना था, ताकि नवीन विधिक प्रावधानों का प्रभावी एवं सुनियोजित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। यह पहल नेतृत्व स्तर पर जागरूकता को सुदृढ़ करते हुए वैधानिक अनुपालन की दिशा में ठोस कदम सिद्ध हुई।

अपने संबोधन में राकेश कुमार ने इस नई संहिता के अंतर्गत सभी नियामक एवं विधिक प्रावधानों के कठोर अनुपालन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित विभागाध्यक्षों से अपेक्षा की कि वे विधि की बारीकियों को गंभीरता से समझें तथा प्राप्त ज्ञान को कार्यस्थल पर प्रभावी क्रियान्वयन में रूपांतरित करें।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

दिखाई दे रहा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का असर

राजनांदगांव। जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन में लगातार उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की जा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। जिससे सोलर रूफटॉप स्थापना जनसामान्य के लिए अधिक किफायती और सुलभ हो गई है। जिले में अब तक 8228 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनमें से 3518 लाभार्थियों का वेंडर चयन पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही 1340 घरों में सोलर पैनलों की स्थापना पूरी हो चुकी है और 875 उपभोक्ताओं को सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। इस सप्ताह 181 नए आवेदन प्राप्त हुए तथा 96 इंस्टॉलेशन पूर्ण किए गए, जो योजना की निरंतर बढ़ती गति और जनभागीदारी को दर्शाती है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का असर जिले में दिखाई दे रहा है। बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में कमी आई है। कई घरों में बिल शून्य या नकारात्मक आ रहे हैं। ऐसे उपभोक्ता अतिरिक्त उत्पादित सौर ऊर्जा को ग्रिड में आपूर्ति कर आय भी अर्जित कर रहे हैं। इससे न केवल परिवारों को आर्थिक लाभ मिल रहा है, बल्कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह पहल पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 22 फरवरी को दो पालियों में, 48 केंद्रों पर होगी परीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 का आयोजन 22 फरवरी 2026 को रायपुर जिले के 48 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री का वितरण जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर रायपुर से सुबह 7 बजे एवं दोपहर 12 बजे किया जाएगा। गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित परिवहन हेतु संबंधित अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष दर्शित परीक्षा केंद्रों के लिए परिवहन अधिकारी/उड़नदस्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी नियुक्त अधिकारी निर्धारित समय पर जिला कोषालय पहुंचकर गोपनीय सामग्री प्राप्त करेंगे तथा परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पूर्व संबंधित केंद्राध्यक्ष को अनिवार्य रूप से सौंपेंगे। परीक्षा के दौरान आवंटित परीक्षा केंद्रों में किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु उड़नदस्ता दल द्वारा सतत निरीक्षण किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्णतः प्रतिबंध

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा 20 फरवरी 2026 से प्रारम्भ हो रही है। प्राय: यह देखा जाता है कि विभिन्न दलों, संगठनों तथा आम जनता द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जाता है, जिसकी ऊंची आवाज से विद्यार्थियों की पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न होता है। उपरोक्त वर्णित तथ्यों पर विचार करते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी राजेन्द्र कटारा द्वारा कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा-5 अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र को चलाया या चलवाया जाना पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। विशेष परिस्थितियों में क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा सकेगा।

मुद्रा लोन से लखपति दीदी बनने का सपना हुआ साकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशा के अनुरूप राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में शासन-प्रशासन द्वारा प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं।

महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण हेतु

संचालित शासकीय योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव जशपुर जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। विकासखंड बगीचा के ग्राम बुढाडांड की निवासी प्रीति गुप्ता ने मुद्रा लोन की सहायता से आत्मनिर्भरता की मिसाल स्थापित की है।

लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ी प्रीति को एक लाख रूपए का मुद्रा लोन प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने 'दुर्गा श्रृंगार एवं किराना दुकान' की शुरुआत की। प्रारंभ में छोटे स्तर पर संचालित यह व्यवसाय आज गांव की प्रमुख दुकानों में शामिल हो चुका है। सौंदर्य प्रसाधन एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता के कारण उनकी दुकान स्थानीय जरूरतों का प्रमुख केंद्र बन गई है। निरंतर परिश्रम, लगन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के सहयोग से प्रीति आज प्रतिवर्ष लगभग 2.50 लाख रूपए का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं और 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना चुकी हैं। प्रीति ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया।

वनांचल ग्राम कामठी में दिखा आस्था, संस्कृति और जनकल्याण का दिव्य संगम

श्रीकंचनपथ समाचार

विधायक भावना बोहरा और श्रद्धालुओं ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

कवर्धा। महाशिवरात्रि के अवसर पर पंडरिया विधानसभा अंतर्गत ग्राम कामठी में शिवभक्ति की अनूठी झलक देखने को मिली। उत्साह और उमंग के साथ 700 से अधिक विवाहित जोड़ों और श्रद्धालुओं पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा आयोजित 151 पार्थिव शिवलिंग में सामूहिक रूप से पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक कर हर हर महादेव का जयघोष किया।

इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने आयोजन में पधारे सभी श्रद्धालुओं और पंडरिया विधानसभा वासियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त कर महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इस भव्य आयोजन में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी तथा ग्राम नेऊर और दमगढ़ के उन आदिवासी परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे जिन्होंने विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से अपने मूल धर्म में घर वापसी की थी।

इस दौरान 10,000 भक्तों के लिए भंडारा एवं महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया जिसमें विधायक भावना बोहरा ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के भजन गायक अनुराग शर्मा द्वारा भजन की भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन में भगवान भोलेनाथ जी के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह आयोजन हमारी धार्मिक संस्कृति और परंपरा का एक प्रतीक है। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से एक साथ भगवान भोलेनाथ जी का रुद्राभिषेक कर छत्तीसगढ़ एवं पंडरिया विधानसभा की सुख-समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। पंडरिया विधानसभा सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक समरसता की समृद्ध परंपराओं के लिए जानी जाती है। यहाँ के जन-जीवन में सनातन मूल्यों की गहरी आस्था है। यह हम सभी का दायित्व है कि हम अपनी संस्कृति और आस्था की इस अमूल्य धरोहर को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँ। यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता को भी सशक्त करेगा।

यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण रहा, बल्कि क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए एक सकारात्मक संकल्प का प्रतीक भी बना। इस आयोजन ने समाज के सभी वर्गों युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण नागरिकों को एक मंच पर एकत्रित कर सामाजिक एकता और सामूहिक चेतना को मजबूत किया। भावना बोहरा ने आगे कहा कि इस अवसर पर क्षेत्र के विकास, जनकल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की गई, जिससे यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर जनहित और क्षेत्र की प्रगति का संकल्प भी बन गया, जिसने समृद्ध पंडरिया बनाने के हमारे संकल्प को एक नई उर्जा और दिशा भी दी है। भगवान शिव सृष्टि के कल्याणकर्ता हैं। आज 151 शिवलिंगों में सामूहिक रुद्राभिषेक का यह आयोजन हमारे क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए समर्पित है। हमारी सदैव यह भावना रही है कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र आध्यात्मिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से सशक्त और विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, नैतिक मूल्यों और जनकल्याण की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

मैं पंडरिया विधानसभा की समस्त जनता और इस पुण्य आयोजन में सहभागी सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त करती हूँ और आश्वस्त करती हूँ कि आगे भी पंडरिया विधानसभा की प्रगति, जनता की सेवा हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन एवं सनातन संस्कृति के प्रसार व नव चेतना के लिए हम निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

सुशासन को नई दिशा: सरगुजा में संभाग स्तरीय कर्मयोगी प्रशिक्षण सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा सुशासन, क्षमता निर्माण एवं परिणामोन्मुख प्रशासन को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आईजीओटी कर्मयोगी का संभाग स्तरीय प्रशिक्षण आज अंबिकापुर में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राज्य स्तर से सुश्री अंजू सिंह, अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन एवं नोडल अधिकारी (आईजीओटी कर्मयोगी) द्वारा अधिकारियों को प्रशिक्षण एवं विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने आईजीओटी प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग, भूमिका आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल तथा प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत द्वारा मिशन कर्मयोगी के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी साझा की गई, जिसके अनुरूप प्रशिक्षण को परिणामोन्मुख स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। राज्य में प्रशासनिक क्षमता निर्माण, डिजिटल गवर्नेंस एवं नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आईजीओटी कर्मयोगी कार्यक्रम को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। प्रशिक्षण में अधिकारियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म आधारित शिक्षण प्रणाली, प्रशासनिक सुधार तथा सेवा गुणवत्ता में वृद्धि के विभिन्न आयामों से अवगत कराया गया। संभाग आयुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने कहा कि आईजीओटी कर्मयोगी केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रशासनिक कार्यसंस्कृति में परिवर्तन का माध्यम है, जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित होंगी। उल्लेखनीय है कि आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सतत क्षमता निर्माण कर राज्य में सुशासन की अवधारणा को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है। यह पहल प्रशासन को दक्ष, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है। प्रशिक्षण में कलेक्टर अजीत बसंत सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा संबंधित कार्यालयों के नामित नोडल अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

जिले में 20 फरवरी को विशाल रोजगार मेला: निजी क्षेत्र में सीधी भर्ती का सुनहरा अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, एमसीबी द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 20 फरवरी 2026, दिन शुक्रवार को प्रात: 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), चिरमिरी में रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट कैम्प पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा।

जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी मेसर्स श्री क्वालिटी सर्विसेज, सिद्धेश्वर क्लासिक, प्लॉट नंबर-02, हनुमान मंदिर रोड, पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा गुणवत्ता निरीक्षक के 50 रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पदों के लिए आईटीआई, डिप्लोमा, बीएससी, बीई या बी.टेक योग्यता रखने वाले पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों को 15,000 से 20,000 रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा तथा कार्यस्थल पुणे महाराष्ट्र रहेगा। रोजगार मेला में शामिल होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों का ई-रोजगार पोर्टल https: erojgar-cg-gov-in पर या गूगल प्ले स्टोर से CG Rojgar Panjiyan App के माध्यम से पंजीयन कराना अनिवार्य है। केवल पोर्टल में पंजीकृत अभ्यर्थियों को ही प्लेसमेंट कैम्प में शामिल किया जाएगा।

अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), रोजगार कार्यालय का पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड तथा पासपोर्ट साइज फोटो लेकर निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होना होगा।

चिकित्सकों की सतर्कता से बची प्रसूता की जान, पेरिपार्टम कार्डियक अरेस्ट के बाद सफल इलाज

उन्नत आपातकालीन एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्त उदाहरण पेश कर रहा है मेडिकल कॉलेज अस्पताल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्व. श्री लखीराम अगरवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ के चिकित्सकों की तत्परता, उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रबंधन और समन्वित टीमवर्क के चलते एक 23 वर्षीय प्रथम गर्भ प्रसूता को पेरिपार्टम कार्डियक अरेस्ट जैसी अत्यंत गंभीर स्थिति से सफलतापूर्वक बचा लिया गया।

मरीज 23 वर्षीय महिला जो पहली बार गर्भवती थीं, को प्री-एक्लेम्पसिया (गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप) की शिकायत थी। जो अत्यधिक गंभीर स्थिति में निजी अस्पताल से मेडिकल कॉलेज के आपातकालीन विभाग में 02 फरवरी 2026 को दोपहर लगभग 12 बजे अत्यधिक उच्च रक्तचाप और सांस लेने में गंभीर तकलीफ के साथ लाया गया । चिकित्सक द्वारा जांच में पल्मोनरी एडीमा (फेफड़ों में पानी भरना) की पुष्टि हुई, जो जानलेवा स्थिति होती है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आपातकालीन सिजेरियन सेक्शन का निर्णय लिया गया। ईलाज के दौरान मरीज को अचानक पेरिपार्टम कार्डियक अरेस्ट (हृदय गति रुकना) हो गया। डॉ . ए.एम. लकड़ा (विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया) ने बताया कि हमारी चिकित्सकीय टीम ने तुरंत स्थिति की पहचान कर उच्च गुणवत्ता वाली सीपीआर प्रारंभ की। त्वरित और समन्वित प्रयासों से मरीज की हृदयगति पुन: स्थापित की गई। इसके बाद मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर आईसीयू में रखा गया, जहां गहन निगरानी एवं व्यवस्थित पोस्ट-कार्डियक अरेस्ट केयर प्रदान की गई।

लगभग तीन दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रहने के बाद मरीज की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में धीरे-धीरे वेंटिलेटर हटाया गया और अंतत: 12 फरवरी 2026 को मरीज को आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट किया गया ।आज मरीज को सफलतापूर्वक ईलाज कर डिस्चार्ज किया गया । इस जटिल और जीवनरक्षक प्रक्रिया का संचालन एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद मसीह लकड़ा के साथ स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. टी.के. साहू एवम डॉ. सिदार, डा. लेश पटेल , डॉ. अनीश ,डॉ. लक्ष्मी यादव, डॉ. अमित भोई, डॉ. सुभाष राज तथा ऑपरेशन थिएटर स्टाफ ने इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में उत्कृष्ट सहयोग रहा ।

अस्पताल अधीक्षक डॉ एम.के. मिंज ने कहा कि यह सफलता समय पर पहचान , उच्च गुणवत्ता वाली सीपीआर, त्वरित निर्णय, और बहु-विषयक समन्वित टीम के प्रयासों का परिणाम है।यह घटना दर्शाती है कि यदि उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था में विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख उपलब्ध हो, तो अत्यंत गंभीर परिस्थितियों में भी जीवन बचाया जा सकता है।

आधुनिक कृषि यंत्रों एवं उन्नत तकनीक से छत्तीसगढ़ का किसान बन रहे हैं आत्मनिर्भर

24,752 किसानों को अलग-अलग योजनाओं के तहत कृषि यंत्रों से किया लाभान्वित, अब खेती हुई आसान और मुनाफेदार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं से प्रदेश के किसान आधुनिक खेती की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से किसानों को शासकीय अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे खेती की लागत कम हो रही है और उत्पादन बढ़ रहा है। इससे खेती आसान और मुनाफेदार हुई है। जिसके कारण प्रदेश के किसान आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

बीज निगम द्वारा किसानों को चौम्पस पोर्टल के माध्यम से जुताई, बुआई, रोपाई और कटाई के लिए आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें रोटावेटर, स्वचालित रीपर, पैडी ट्रांसप्लांटर, लेजर लैंड लेवलर, पावर वीडर, मल्चर, थ्रेशर, सीड ड्रिल तथा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली शामिल हैं।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में बीज निगम द्वारा यंत्रीकरण सबमिशन (कंपोनेंट-1) अंतर्गत 912 किसानों को, शाकंभरी योजना अंतर्गत 3375 किसानों को, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (ड्रिप) अंतर्गत 3821 किसानों को तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (स्प्रिंकलर) अंतर्गत 16,644 किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया गया है। इन आधुनिक यंत्रों के उपयोग से किसानों की मेहनत कम हुई है और समय की बचत के साथ उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। पारंपरिक खेती में जहां अधिक मजदूरी और लागत लगती थी, वहीं आधुनिक यंत्रों से खेती अब कम खर्च में अधिक लाभ देने लगी है।

प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों, विशेषकर बस्तर संभाग में भी किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती में बेहतर परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। पहले जहां किसान केवल धान की खेती पर निर्भर थे, वहीं अब सब्जी उत्पादन और उद्यानिकी फसलों की ओर भी तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली के माध्यम से स्थानीय बाजारों के साथ-साथ बाहर के बाजारों में भी उत्पाद बेचकर किसान अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

बिलासपुर जिले के किसान नारायण दल्लू पटेल ने बताया कि स्वचालित रीपर से अब एक एकड़ फसल की कटाई 2 से 3 घंटे में हो जाती है, जबकि पहले 10 से 12 मजदूरों के साथ पूरा दिन लगता था। इससे कटाई लागत में 50 से 60 प्रतिशत तक कमी आई है। रायपुर जिले के किसान हीरालाल धनुराम साहू ने बताया कि रोटावेटर से खेत की तैयारी कुछ ही घंटों में हो जाती है। पहले जहां 3 से 4 दिन लगते थे, अब कम समय में खेत तैयार हो जाता है, जिससे उत्पादन में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के किसान लेखूराम कैलाश छेदइया ने बताया कि सीड ड्रिल से बोआई करने पर बीज की 15 से 25 प्रतिशत तक बचत हुई है तथा उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। बीज निगम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। निगम की इस पहल से प्रदेश के किसान तकनीकी रूप से सशक्त होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी मजबूत बन रहे हैं और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में सहभागी बन रहे हैं।

महिला केंद्रित और क्वीर फिल्में बनाना चाहती हैं श्वेता त्रिपाठी

बोलीं - 'यह मेरे लिए घर जैसा'

श्वेता त्रिपाठी अब अभिनेत्री के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी बन गई हैं। अब उन्होंने बताया कि वो किस तरह की फिल्में बनाना चाहती हैं। साथ ही फिल्मों में आने वाले बदलाव को लेकर भी उन्होंने बात की।

'मिर्जापुर' वेब सीरीज में गोलू का किरदार निभाकर सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने महिला प्रधान कहानियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्माण क्षेत्र में कदम रखा है। उनका मानना है कि यह उनके लिए सही है, घर जैसा है और एक कलाकार के रूप में उनके व्यापक उद्देश्य का हिस्सा है। श्वेता बतौर प्रोड्यूसर अपनी पहली फिल्म की घोषणा भी कर चुकी हैं। इसके अलावा वो क्वीर फिल्मों पर भी ध्यान दे रही हैं।

इस साल शुरू हो सकती है श्वेता के प्रोडक्शन की पहली फिल्म

श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बतौर प्रोड्यूसर अपनी पहली क्वीर फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' की घोषणा की है। इसमें तिलोत्तमा शोम मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा उन्होंने क्वीर नाटक 'कॉक' का भी निर्माण किया है, जिसे कई शहरों में काफी सराहना भी मिली है। क्वीर फिल्मों के निर्माण को लेकर श्वेता का कहना है कि मेरे लिए यह बहुत व्यक्तिगत मामला है।

मैं इसी रास्ते पर चलना चाहती हूं

अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि यही वह रास्ता है जिस पर मैं चलना चाहती हूं। महिलाओं द्वारा निर्देशित विषयों का समर्थन करना, समलैंगिक आवाजों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदार रहना। यह सही लगता है और मुझे घर जैसा महसूस होता है। साथ ही एक कलाकार के रूप में यह मेरे लिए एक बड़े उद्देश्य का हिस्सा भी है।

हमें खुद बदलाव का हिस्सा बनना होगा

क्वीर फिल्मों व महिला केंद्रित फिल्मों को लेकर श्वेता ने कहा कि अगर हम किसी तरह का बदलाव देखना चाहते हैं, तो हमें खुद उसका हिस्सा बनना होगा। महिलाओं और क्वीर जीवन की कहानियां हमेशा से मौजूद रही हैं, लेकिन उन्हें हमेशा वह स्थान और सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। अगर मुझे अब चुनने और फिल्में बनाने का सौभाग्य मिला है, तो मुझे इस बात का ध्यान रखना होगा कि मैं इसका उपयोग कैसे करती हूं।

कभी-कभी ये कहानियां कोमल और रोजमर्रा की होती हैं। वे हमेशा खुद को जाहिर नहीं करतीं, लेकिन वे आपके साथ रह जाती हैं। मैं इसी तरह के काम से जुड़ना चाहती हूं। श्वेता चाहती हैं कि ये कहानियां मानवीय, त्रुटिपूर्ण और जानी-पहचानी सी लगें। यही सोच उन समलैंगिक कहानियों पर भी लागू होती है, जिनका वह समर्थन करती हैं।

'मिर्जापुर: द मूवी' में नजर आएंगी श्वेता

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्वेता त्रिपाठी अब 'मिर्जापुर: द मूवी' में नजर आएंगी। वेब सीरीज के तीन सीजन आने के बाद अब मेकर्स मिर्जापुर पर एक फिल्म बना रहे हैं। यह फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सीरीज के मुख्य कलाकारों के साथ कुछ नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर समेत जितेंद्र कुमार और रवि किशन जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

'हम सब आगे बढ़ चुके हैं', अक्षय और शिल्पा के साथ रिश्तों पर बोलीं रवीना टंडन 'वेलकम टू द जंगल' पर कही ये बात

किसी वक्त रवीना टंडन और अक्षय के रोमांस के काफी चर्चे थे। दोनों बी-टाउन के सबसे पॉपुलर कपल थे। लेकिन इसके बाद दोनों अलग हुए तो उनके बीच कुछ भी ठीक नहीं रहा। हालांकि, अब रवीना ने अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी के साथ अपने रिश्तों को लेकर बात की।

90 के दशक में अक्षय कुमार और रवीना टंडन इंडस्ट्री के सबसे चर्चित कपल हुआ करते थे। यही नहीं खबरें तो यहां तक हैं कि दोनों ने सगाई भी कर ली थी। लेकिन अंत में दोनों अलग हो गए। इसके बाद अक्षय का नाम शिल्पा शेट्टी से भी जोड़ा गया। इसी वजह से रवीना और शिल्पा के बीच भी तनातनी की खबरें आती रहीं। हालांकि, कई साल बाद अब अक्षय और रवीना आगामी फिल्म 'वेककम टू द जंगल' में साथ नजर आएंगे। वहीं रवीना का कहना है कि अब शिल्पा से भी उनके रिश्ते अच्छे हैं और सभी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं।

शिल्पा और मैं दोस्त हैं

जूम के साथ बातचीत के दौरान रवीना टंडन ने अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी के साथ अपने संबंधों पर बात की। साथ ही उन्होंने 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय के साथ काम करने के अपने अनुभवों को भी साझा किया।

शिल्पा शेट्टी के साथ अनबन पर रवीना ने कहा, 'कोई समस्या थी ही नहीं। मैं उस माहौल में नहीं थी। हम आज भी कई बातों पर हंसते हैं। सिर्फ शिल्पा और मैं ही नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि हम सब दोस्त बन गए। हम सब उस समय जवान थे। हम एक ही इंडस्ट्री में हैं, कौन इन सब चीजों से नहीं गुजरा, कौन लिंक-अप, ब्रेकअप, रिलेशनशिप से नहीं गुजरा?

आज अक्षय और मैं दोस्त हैं। शिल्पा और मैं दोस्त हैं। हम सब दोस्त हैं। हम आगे बढ़ चुके हैं, अपने परिवारों के लिए बहुत खुश हैं। हम अपने बच्चों के लिए खुश हैं।'

अक्षय के साथ फिर से काम करके आया मजा

'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय के साथ दोबारा काम करने के बारे में बात करते हुए रवीना ने कहा कि हमने पूरी फिल्म में खूब हंसी-मजाक की। बहुत ही मजेदार फिल्म थी। हमें दोबारा साथ काम करने में बहुत मजा आया। आपको परिपक्व होना पड़ता है, आपको समझदार बनना पड़ता है। हम सब एक-दूसरे के लिए खुश हैं। हम हमेशा से बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं।

रवीना ने गोविंदा, सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफके साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकातें आज भी हंसी-मजाक और पुरानी यादों को ताजा करने से भरी होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि 90 का दशक बिल्कुल अलग युग था।

इन फिल्मों में नजर आएंगी रवीना

वक्रफ्रंट की बात करें तो रवीना टंडन आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'घुड़चढ़ी' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ संजय दत्त भी थे। इसके अलावा 2024 में ही वो 'पटना शुक्ला' में भी नजर आई थीं। ये ओटीटी पर रिलीज हुई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वेलकम टू द जंगल' शामिल है। इसके अलावा वो साउथ स्टार सूर्या के साथ भी एक फिल्म में नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसकी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

एक्ट्रेस मुक्ति मोहन का नया मंत्र

लोगों से अप्रुवल लेने की जरूरत नहीं, बस जिंदगी जियो

शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मुक्ति मोहन सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे एक वॉइस ओवर के साथ लिपसिंक करती दिख रही हैं, एक ही तो जिंदगी मिली है।

इसमें लोगों को अच्छा बनने का कोई अप्रूवल नहीं दिखा सकती हूं। अच्छा इंसान बनने में कुछ नहीं रखा है। वीडियो में उनका अंदाज बिल्कुल सच्चा और बेबाक है। वे कैमरे की तरफ देखकर सीधे दिल की बात कह रही हैं। बता दें कि यह वॉइस ओवर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुक्ति और कई अन्य कलाकार और सोशल मीडिया यूजर्स इस पर वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं।

मुक्ति अक्सर अपनी बहनों के साथ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मुक्ति मोहन की बात करें तो वे डांसर होने के साथ-साथ वेब सीरीज व टीवी शोज में अभिनय भी करती हैं। उन्होंने साहिब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, और कांची: द अनब्रेकेबल जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।

उन्होंने करियर की शुरुआत में 2007 में शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत की और जरा नचके दिखा (2010) जीतकर रियलिटी शो में पहचान बनाई और झलक दिखला जा सीजन 6 (2013) में भी भाग लिया। मुक्ति मोहन बड़े पर्दे पर भी अपनी काबिलियत का परचम फहरा चुकी हैं। उन्होंने अब तक साहेब बीवी और गैंगस्टर, मुरान, दारुवु, हेट स्टोरी, टोपीवाला, कांची: द अनब्रेकेबल, बॉर्न फ्री, दिल है हिंदुस्तानी: द मूवी, और थार आदि फिल्मों में अदाकारी की है। मुक्ति मोहन कोरियोग्राफर शक्ति मोहन और गायिका नीति मोहन की बहन हैं।

गलत मुद्रा में सोने से गर्दन में अकड़न आ गई?

अकड़न एक ऐसी समस्या है, जो गर्दन के आस-पास की मांसपेशियों में तनाव के कारण हो सकती है। इसका मुख्य कारण सोते समय गर्दन का गलत तरीके से टेढ़ा होना हो सकता है। इसके कारण सुबह उठते ही गर्दन में दर्द और अकड़न महसूस होती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं, जो गर्दन की अकड़न को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

इन तरीकों से करें ठीक

गर्म सिकाई करें

गर्दन की अकड़न को दूर करने के लिए गर्म सिकाई करना एक असरदार तरीका हो सकता है। इसके लिए आप एक गर्म पानी की बोतल या फिर तौलिए को गर्म करें और उसे प्रभावित हिस्से पर रखें। यह प्रक्रिया लगभग 15-20 मिनट तक करें। इससे खून का बहाव बढ़ता है और अकड़न में राहत मिलती है। गर्म सिकाई से मांसपेशियों को आराम मिलता है और दर्द कम होता है, जिससे आपको जल्दी राहत मिल सकती है।

हल्की स्ट्रेचिंग करें

गर्दन की अकड़न को ठीक करने के लिए हल्की स्ट्रेचिंग करना फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए आप धीरे-धीरे सिर को आगे-पीछे, दाएं-बाएं घुमाएं। इससे गर्दन की मांसपेशियां ढीली होती हैं और दर्द में कमी आती है। स्ट्रेचिंग करते समय ध्यान रखें कि यह बहुत हल्के हाथों से करें ताकि किसी प्रकार की चोट न हो। इस प्रक्रिया को दिन में कुछ बार दोहराएं और धीरे-धीरे गर्दन की गति बढ़ाएं। इससे आपको जल्दी राहत मिलेगी।

तेल की मालिश करें

गर्दन की अकड़न को दूर करने के लिए तेल की मालिश करना एक पुराना और असरदार तरीका है। इसके लिए सरसों या नारियल तेल का इस्तेमाल करें। तेल को हल्का गर्म करके प्रभावित हिस्से पर मालिश करें। इससे खून का बहाव बढ़ता है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। मालिश करने से दर्द कम होता है और अकड़न में राहत मिलती है। इसे नियमित रूप से करने पर गर्दन की अकड़न जल्दी ठीक हो सकती है।

ठंडी सिकाई करें

ठंडी सिकाई भी गर्दन की अकड़न को ठीक करने में मदद कर सकती है। बर्फ के टुकड़ों को साफ कपड़े में लपेटकर प्रभावित हिस्से पर रखें। इससे सूजन कम होती है और दर्द में राहत मिलती है। ठंडी सिकाई से मांसपेशियां ढीली होती हैं और आपको आराम मिलता है। इसे दिन में 2-3 बार दोहराएं। ध्यान रखें कि बर्फ सीधे त्वचा पर न लगाएं, हमेशा कपड़े का उपयोग करें।

सही तकिया चुनें

सोते समय सही तकिया चुनना बहुत जरूरी है ताकि गर्दन को सही समर्थन मिल सके। ऐसा तकिया चुनें, जो आपकी गर्दन और सिर को सही तरीके से सहारा दे सके। बहुत ऊंचा या नीचा तकिया न लें क्योंकि इससे अकड़न बढ़ सकती है। इन घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपनी गर्दन की अकड़न को जल्दी ठीक कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। नियमित अभ्यास से आपको लंबे समय तक राहत मिलेगी।

- भक्ति और संस्कृति के संगम पाली महोत्सव का हुआ भव्य समापन
- मंत्री लखन लाल देवांगन ने पाली महोत्सव समापन अवसर पर विकास योजनाओं का किया ऐलान
- पाली शिव मंदिर से कॉलेज तक सड़क चौड़ीकरण, डुमरकछार तक लगेगी स्ट्रीट लाइट

पाली महोत्सव ने कोरबा की सांस्कृतिक विरासत को दी नई ऊंचाई : मंत्री लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में पावन महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर कोरबा जिले के पाली में आयोजित दो दिवसीय पाली महोत्सव का गरिमामय समापन समारोह संपन्न हुआ। धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक वैभव और जनउत्साह से परिपूर्ण इस आयोजन ने क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं और सामाजिक एकता का सुंदर परिचय प्रस्तुत किया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में उत्साह, भक्ति और उल्लास की मनोहारी छटा बिखरी रही।

कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी क्षेत्रवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि पाली महोत्सव कोरबा वासियो के लिए गौरव की बात है।

पाली का यह ऐतिहासिक महोत्सव निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है और क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत कर रहा है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर पाली शिव मंदिर घाट में शिव आरती, गंगा आरती, श्रीराम आरती एवं दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसका श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया। समापन दिवस पर भी आंचलिक, प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त कलाकारों की प्रस्तुतियों से दर्शको को भरपूर मनोरंजन का लाभ मिलेगा।

मंत्री देवांगन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व तथा प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के अगुवाई में राज्य निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश में विकास कार्यों के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव भी पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाए जा रहे हैं। राज्य की निरंतर उन्नति और प्रगति के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कलेक्टर श्री दुदावत के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा महोत्सव को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है, जिसके लिए उन्होंने प्रशासनिक टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सुगम आवागमन की दिशा में बड़ा कदम, मंत्री देवांगन ने की सड़क चौड़ीकरण और स्ट्रीट लाइट की घोषणा

इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने पाली में पर्यटन की दृष्टि से और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए पाली के शिव मंदिर से कॉलेज तक सड़क चौड़ीकरण तथा मुख्य मार्ग से डुमरकछार शिव मंदिर तक स्ट्रीट लाइट लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ीकरण से क्षेत्र में सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित होगी और नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

समरोह में सांसद ज्योत्सना चरण दास महंत ने महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर दिशा देने का संदेश है। भगवान शिव की आराधना हमें कठिनाइयों से संघर्ष करना, धैर्य रखना और आत्मबल के साथ आगे बढ़ना सिखाती है। उन्होंने कहा कि शिव अनादि और अनंत हैं—वे सदानंद स्वरूप हैं। देश के 12 ज्योतिर्लिंग भगवान शिव को एक सूत्र में बांधते हैं और यह हमारी आध्यात्मिक एकता के प्रतीक हैं। शिव की साधना व्यक्ति को विकारों से दूर कर विराट चेतना की ओर ले जाती है।

उन्होंने आमजनों को पाली महोत्सव कार्यक्रम में बॉलीवुड, छालीवुड सहित स्थानीय कलाकारों द्वारा शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति का लुत्फ उठाने के लिये कहा। सांसद श्रीमती महंत ने जिला प्रशासन और शासन की सराहना करते हुए कहा कि पाली की सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने और आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। ऐसे आयोजन हमारी विरासत, आस्था और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियो से अपनी सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहर को सहेजकर रखने और आने वाली पीढ़ियों तक उसे संरक्षित रूप में पहुंचाने का आह्वान किया।

समापन समारोह के अवसर पर पाली-तानाखार विधायक श्री तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पाली देवाधिदेव भगवान शिव और मां महिषासुर मर्दिनी की नगरी है, जिसका अपना विशिष्ट ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। यह भूमि आस्था, संस्कृति और परंपराओं से समृद्ध रही है। उन्होंने कहा कि पाली की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत गौरवशाली है। यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से भी परिपूर्ण है, यहां कोयला के साथ ही लिथियम का भंडार है और पावर हब के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। धार्मिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक दृष्टि से पाली निरंतर आगे बढ़ रहा है।

विधायक मरकाम ने कहा कि ऐसे महोत्सव सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं और हमारी परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे मेले का आनंद लें और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लाभ उठाएं। उन्होंने जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन निरंतर आगे बढ़ते हुए मंच प्रदान कर रहा है, जिससे प्रतिभाओं को अवसर मिल रहा है और नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। महोत्सव में स्थानीय, प्रादेशिक एवं बॉलीवुड कलाकारों की प्रस्तुतियां क्षेत्र के सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध कर रही हैं। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने समस्त क्षेत्रवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पाली के प्राचीन शिव मंदिर की गरिमा, आस्था और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने और सहेजने का प्रयास है। कलेक्टर ने कहा कि शासन के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा पाली की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सुसज्जित एवं सशक्त बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। महोत्सव के माध्यम से स्थानीय परंपराओं, कला और संस्कृति को एक सशक्त मंच प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि कल आयोजित उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नागरिकों ने भरपूर आनंद उठाया और आज भी विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियों का सभी को आनंद लेने का आग्रह किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, पूर्व विधायकगण पुरुषोत्तम कंवर, मोहित राम केरकेट्टा, उपाध्यक्ष जिला पंचायत निकिता मुकेश जायसवाल, अध्यक्ष नगर पंचायत पाली अजय जायसवाल, सरपंच केराझरिया गिरजा सत्यनारायण पैकरा, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, एसडीएम पाली रोहित कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं भारी संख्या में आमनागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों सहित अधिकारियों ने कलाकारों की प्रस्तुति का आनंद लिया।

श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में सूरजपुर जिले के तिलसिंवा स्थित ऑडिटोरियम में श्रमिक जन संवाद एवं सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूरों एवं असंगठित क्षेत्र के कामगारों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, ताकि प्रत्येक पात्र श्रमिक इन योजनाओं से लाभान्वित हो सके। सम्मेलन के माध्यम से जिले के 2,539 हितग्राहियों को कुल 99 लाख 66 हजार 627 रुपये की सहायता राशि वितरित की गई। साथ ही महतारी जतन योजना, सियान योजना एवं नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत

प्रतीकात्मक डेमो चेक भी वितरित किए गए। मंत्री राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि श्रमिक जन संवाद केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन और श्रमिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, उनके जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने श्रमिकों को विकास की धुरी बताते हुए मंच पर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, प्रतापपुर विधायक शकुन्तला पोर्ते, श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, कलेक्टर एस. जयवर्धन, श्रम अधिकारी एलेन मिंज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के किसानों ने ओडिशा में देखी ऑयल पाम की खेती

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर जिला में ऑयल पाम की खेती को दिया जा रहा बढ़ावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के किसान ओडिशा में ऑयल पाम की खेती का अवलोकन किया। ओडिशा के किसानों द्वारा ऑयल पाम की खेती से प्राप्त आमदनी से काफी प्रभावित हुए। गौरतलब है कि सूरजपुर जिले में ऑयल पाम खेती के विस्तार एवं किसानों की आय वृद्धि के उद्देश्य से उद्यानिकी विभाग द्वारा 25 कृषकों का प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम नुआपाड़ा जिला के खरियार रोड स्थित बेलटुकरी ग्राम में प्रगतिशील कृषक श्री लक्ष्मी चंद्राकर के प्रक्षेत्र पर आयोजित कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को ऑयल पाम उत्पादन की उन्नत तकनीकों से अवगत कराना तथा आधुनिक एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को ऑयल पाम की उन्नत किस्मों, वैज्ञानिक

पौधरोपण विधि, संतुलित पोषण प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने प्रक्षेत्र में व्यवहारिक प्रदर्शन कर उत्पादन बढ़ाने की प्रभावी तकनीकों का मार्गदर्शन प्रदान किया। किसानों ने रोपण के 4 वर्ष से 10 वर्ष तक के पौधों से प्राप्त सफल उत्पादन को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा।

ओडिशा के कृषकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रति एकड़ 1.5 से 2 लाख रुपये तक वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। दीर्घकालीन 25 से 30 वर्षों तक सतत उत्पादन, अंतरवर्ती फसलों से अतिरिक्त आमदनी तथा कम लागत में अधिक लाभ की संभावनाओं ने प्रतिभागी किसानों को अत्यंत प्रभावित किया।

कार्यक्रम में प्री यूनिक एशिया लिमिटेड कंपनी की ओर से श्री संजीव ज्ञान जी ने ऑयल पाम की खेती, विपणन व्यवस्था तथा शासन द्वारा प्रदाय अनुदान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक चरण में कम लागत के साथ दीर्घकाल में अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। इस दौरान किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

उद्यानिकी तकनीकी अधिकारी अरुणा कुजूर एवं वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी द्वारा नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल – ऑयल पाम योजना के अंतर्गत उपलब्ध अनुदान की जानकारी दी गई। योजना के तहत प्रति हेक्टेयर रखरखाव हेतु 6,750 रूपए (केंद्र सरकार द्वारा 5,250 एवं राज्य की ओर से 1,500 रूपए प्रदान किया जाता है), इसी तरह अंतरवर्ती फसल हेतु 10,250 (केंद्र द्वारा 5,250 एवं राज्य द्वारा 5000 रूपए), ड्रिप सिंचाई प्रणाली हेतु 22,765 रूपए (केंद्र द्वारा 14,130 एवं राज्य द्वारा 8,635 रूपए) का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त फेंसिंग (घेराबंदी) के लिए राज्य शासन द्वारा 54,485 रूपए की पूर्ण सहायता दी जा रही है, जिससे फसल को जंगली एवं घरेलू पशुओं से सुरक्षा मिल सके।

जनजातीय बहुल क्षेत्रों में डिजिटल क्रांति की ओर सरकार की उल्लेखनीय पहल

कांकेर जिले के ग्रामों में लगेंगे 82 नए बीएसएनएल टावर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में डिजिटल क्रांति की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसी कड़ी में कांकेर जिले के अलग-अलग विकासखण्डों के ग्रामों में बीएसएनएल के 82 नए टावर स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है।

जिला प्रशासन की अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक हाई-स्पीड इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित करना है, ताकि वहां के नागरिकों को ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल सेवाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी से ग्रामीण युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और स्थानीय स्तर पर विकास को गति मिलेगी। लंबे समय से नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे इन इलाकों में मोबाइल टावर लगने से संचार व्यवस्था मजबूत होगी और आपातकालीन सेवाओं तक भी त्वरित पहुंच संभव हो सकेगी। राज्य सरकार द्वारा डिजिटल ढांचे को मजबूत

करना सुशासन और समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में इस परियोजना के पूर्ण होने से जिले के दूरस्थ अंचलों में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी।

कांकेर जिले के जिन ग्रामों में नए बीएसएनएल टावर लगाए जाएंगे, उसमें भानुप्रतापपुर विकाखण्ड अंतर्गत ग्राम जेपरा, परवी, पण्डरीपानी, आसुलखार, धनेली, शिकारीपारा, मुरावण्डी, मुरडोंडा। नरहरपुर ब्लॉक के ग्राम डुडुमबहारा, खदरवाही, मर्रामपानी, मारवाड़ी, बहनापानी, दबेना, दबेना जंगलपारा, मासुलपानी, पथरीनाला, बहनापानी, औंखिहर्रा। सरोना तहसील के ग्राम धनेसरा, गट्टागुडुम, मंडरादरहा, तिरियरपानी, खल्लारी, सोनपुर शामिल है।

इसी प्रकार दुर्गूकोंदल ब्लॉक के ग्राम भंडारडिगी, दोड़देकादर, गुरावंडी मंगहूर, डोडे, कोंड्रूज गुदूम, पाउरखेड़ा, रसुली नलकसा, कोंड्रूज डंडईखेड़ा, पचांगी कोसपराली, हैपुरकसा हेपुर, हामतवाही पलवी, हिंगनझर, झिटकाटोला, झिटकाटोला तामोडा, कोसपराली पराली, मर्रामपानी, पचांगी, पलवी घुरवण्डी। अंतागढ़ ब्लॉक के ग्राम गेटिनडांगरा टेमरूगांव, जोडांड बगझर, बदरेंगी टेकापानी, अमोड़ी पण्डरीपारा, कढ़ाहीखोदरा मण्डाम, लोहत्तर पटेलपारा, सरंडी स्कूलपारा, भैंसासुर डूमरकोटपारा, खोड़पानी स्कूलपारा। चारामा ब्लॉक दमकसा, गोटीटोला मधुबनपारा, परसोदा साहूपारा, कांकेर ब्लॉक के ग्राम भैंसगांव, कानागांव, कुलगांव, पेटोली, पुसवाड़ा मारीपारा में भी नए बीएसएलएल टावर स्थापित किए जाएगें।

प्रधानमंत्री आवास योजना से धनसिंह के परिवार का सपना हुआ पूरा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से कोंडागांव जिले के नगर पंचायत फरसगांव के वार्ड क्रमांक 8 के निवासी धनसिंह हिडको के पक्के मकान सपना पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि वर्षों तक अपने परिवार के साथ एक कच्चे मकान में निवास करता था। हर मौसम अपने साथ नई परेशानी लेकर आता था। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता था, कच्ची दीवारों से नमी रिसती थी और हर साल छत की मरम्मत में मेहनत और पैसा दोनों लगते थे। ऐसे हालात में परिवार की सुरक्षा और बच्चों का भविष्य चिंता का विषय बना रहता था।

उन्होंने बताया कि मेरी पत्नी की हमेशा यह इच्छा थी कि हमारा भी एक पक्का घर हो, जहाँ हम सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। लेकिन एक सामान्य किसान के

लिए पक्का मकान बनवाना केवल एक सपना ही था।

तभी वार्ड में मुनादी और शिविर के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली, जिसके तहत शासन द्वारा पात्र हितग्राहियों को पक्के मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। धनसिंह ने आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन किया और सभी प्रक्रियाएँ पूरी कीं। जब स्वीकृति मिली तो उनकी पत्नी की आँखें खुशी से नम हो गईं। धीरे-धीरे निर्माण कार्य शुरू हुआ और कुछ ही समय में उनके सपनों का पक्का घर तैयार हो गया। अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में रह रहा है, जहाँ बारिश और मौसम की मार का भय नहीं है। धनसिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना कई गरीब परिवारों के पक्का मकान के सपना को पूरा कर रही है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

नहर में डूबने से 9 वर्षीय बालक की मौत, तीन घंटे बाद मिला शव

कोरबा। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम तरदा के जंगलपारा मोहल्ले में नहर में नहाने के दौरान एक मासूम की डूबने से मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, नौ वर्षीय रोशन कंवर अपनी मामी और नानी के साथ नहर में नहाने गया था। इसी दौरान उसने तैरना जानने की बात कहते हुए तेज बहाव वाली नहर में छलांग लगा दी। देखते ही देखते वह पानी की धारा में बह गया। आसपास के लोगों ने बच्चे को बचाने का प्रयास किया, लेकिन नहर के तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद खोजबीन शुरू की गई। करीब तीन घंटे की तलाश में बालक का शव घटनास्थल से लगभग सात किलोमीटर दूर पंतोरा क्षेत्र के पास मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। रोशन कंवर मूल रूप से कोथारी कचोरा का रहने वाला था। घटना की खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

दो बाइकों में टक्कर, पांच वर्षीय मासूम सहित चार लोग घायल

कोरबा। नगर के मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत बुधवारी बाईपास मुख्य मार्ग पर रविवार रात लगभग 8 बजे दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक पांच वर्षीय मासूम सहित चार लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवारी बाईपास स्थित श्रीवास भवन के पास हुई। एक तेज रफ्तार बाइक बुधवारी की ओर से आ रही थी, जिस पर दो युवक सवार थे। वहीं, दूसरी बाइक टीपी नगर की ओर से आ रही थी, जिस पर पति-पत्नी और उनका एक मासूम बच्चा सवार था। दोनों बाइकों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में पांच साल के मासूम बच्चे को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उसकी मां के सिर पर चोट लगी है। दूसरी बाइक पर सवार दोनों युवकों को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। मानिकपुर चैकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। चैकी प्रभारी परमेश्वर राठौर ने बताया कि पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नकली शराब बनाने के मामले में फरार आरोपी पकड़ाया

कबीरधाम। कबीरधाम पुलिस द्वारा पूर्व में नकली देशी प्लेन मदिरा बनाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के विरुद्ध की गई कार्यवाही के प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। 26नवम्बर 2025 को थाना बोड़ला अंतर्गत चौकी पोड़ी क्षेत्र के ग्राम पोड़ी में नकली देशी प्लेन मदिरा का अवैध निर्माण करते हुए आरोपियों नंद कुमार कुर्रे, इस्लाम उर्फ सुद्दू, शेख साजिद एवं छोटू उर्फ दिनेश चंद्रवंशी को गिरफ्तार कर नकली शराब एवं शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बड़ी मात्रा में जप्त की गई थी। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)ख, 34(2), 35, 49क, 59क तथा बीएनएस की धारा 318(4), 336(2), 336(3), 340(2), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध है।

इकलौते बेटे की मौत से आहत माता पिता ने दी जान, फंदे पर लटके दोनों

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर जांपा जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दंपति ने अपने इकलौते बेटे की मौत से दुखी होकर अपनी जान दे दी। मरने से पहले दोनों ने एक वीडियो बनाया। यही नहीं चार पन्नों का सुसाइड नोट भी छोड़ा। इस घटना ने आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैला दी। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना शिवरीनारायण थाना इलाके के धरदेई गांव की है।

जानकारी के मुताबिक साल 2024 में मस्तूरी थाना इलाके में आदित्य पटेल (21) की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इकलौते बेटे की मौत के बाद से लगातार माता-पिता गहरे सदमे में थे। कृष्णा पटेल राज मिस्त्री (48) का काम करते थे, जबकि उनकी पत्नी रमाबाई (47) गृहिणी थी।

उनसे यह सदमा बर्दाश्त नहीं हो रहा था। रविवार देर रात दोनों ने आंगन में लगे पेड़ से एक ही फंदे पर फांसी लगा ली। सोमवार सुबह दोनों के शव लटकते मिले। पड़ोसियों की सूचना पर शिवरीनारायण पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को पेड़ से नीचे उतारकर मर्ग कायम किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

चार पन्नो का मिला सुसाइड नोट

मौके से पुलिस को चार पन्नों के सुसाइड नोट मिला। जिसमें दोनों ने अपने बेटे को उनके जीवन का आधार और संसार बताया। सुसाइड नोट में लिखा कि उनके बेटे की मौत से वे काफी दुखी और इसे वे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। सुसाइड नोट में कुछ घटनाओं का जिक्र भी किया जिससे पता चलता है कि माता-पिता अपने पुत्र की मौत से कितने आहत थे। दोनों ने इसलिए आत्महत्या करने का निर्णय लिया। फांसी लगाने से पहले दोनों ने एक वीडियो भी बनाया जिसमें वे सुसाइड करने का जिक्र कर रहे हैं। बहरहाल इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार का कहर : सड़क हादसे में 13 वर्षीय छात्र की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहर में तेज रफ्तार का एक और दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां सड़क हादसे में 13 वर्षीय छात्र की जान चली गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोधघाट थाना क्षेत्र के आकाश नगर निवासी पवन पिल्लई का बेटा दक्ष पिल्लई कक्षा सातवीं का छात्र था और कालीपुर स्थित हेम एकेडमी में पढ़ाई करता था। शनिवार शाम करीब 5:45 बजे वह अपने तीन साथियों के साथ साइकिल से ट्यूशन से घर लौट रहा था। इसी दौरान एलआईसी रोड पर माहरा समाज भवन के पास धरमपुरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार सफेद कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे ने शहर में एक बार फिर तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

बलरामपुर में एसडीएम पर मारपीट का आरोप, बुजुर्ग की मौत से गांव में आक्रोश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हंसपुर में अवैध उत्खनन की जांच के दौरान हुई कथित मारपीट की घटना ने गंभीर रूप ले लिया है। आरोप है कि प्रशासनिक टीम की कार्रवाई में एक 62 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि दो अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और पुलिस बल तैनात किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसडीएम करुण कुमार डहरिया और नायब तहसीलदार पारस शर्मा अपनी टीम के साथ देर रात अवैध

बॉक्साइट खनन की सूचना पर मौके के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान रास्ते में तीन ग्रामीणों को रोका गया।

प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि बिना पर्याप्त पूछताछ के ही टीम द्वारा मारपीट की गई। घटना में घायल रामनरेश राम (62) की अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई, जबकि अजीत उरांव और आकाश अगरिया का उपचार जारी है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्दोष लोगों को संदेह के आधार पर निशाना बनाया गया, जिससे गांव में आक्रोश का माहौल है।

इस घटना के बाद प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने कहा है कि पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न हो।

फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घायलों के बयान का इंतजार कर रही है। स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

एकतरफा प्यार में युवती पर कटर से हमला बदमाश ने कई वार किए, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नेवई थाना क्षेत्र में एक सिरफिरे ने एक तरफा प्यार में युवती पर कटर से वार कर दिया। युवती महाशिवरात्रि पर मंदिर से लौट रही थी इस दौरान बदमाश ने उसका पीछा किया और युवती को परेशान करने लगा। युवती ने विरोध जताया तो कटर से ताबड़तोड़ वार किए। इस हमले से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई जिसें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

नेवई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवती पहले से शादी शुदा है और रायपुर में अपने पति के साथ रह रही है।

महाशिवरात्रि पर वह अपने पिता के घर शिवपारा स्टेशन मरोदा, नेवई आई थी। रविवार शाम पांच बजे युवती बैकुंठधाम मंदिर से पूजा कर अपने घर लौट रही थी। इंदिरा चौक के पास गली अंदर स्टेशन मरोदा क्षेत्र में वहीं का रहने वाला योगेन्द्र कुमार यादव उर्फ छोटू ने युवती का रास्ता रोका और बातचीत करने का प्रयास किया। युवती ने विरोध जताया तो आक्रोशित होकर जान से मारने की नीयत से उसने कटर से वार कर दिया। युवती ने बचने का प्रयास किया तो उसके दाहिने हाथ की कलाई, दाहिने गाल एवं दाहिनी पसली के पास चोटें आईं।

इस मामले में शिकायत पर नेवई पुलिस ने अपराध दर्ज किया और योगेन्द्र उर्फ टॉयलेट को गिरफ्तार कर लिया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नेवई सउनि करण सोनकर, सउनि निगम पात्रे, प्रआरक्षक हेमंत चंदेल, आरक्षक शाहबाज खान एवं आरक्षक विजय कुर्रे की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस आम लागों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, पीछा करने या आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

एयरपोर्ट से धराया गोल्ड माइन ठग तंजानिया के नाम पर करोड़ों की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठगी के सनसनीखेज मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोने की खदान दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये हड़पने वाले आरोपी यश राजेश शाह को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वियतनाम फरार होने की फिराक में था, लेकिन लुकआउट और त्वरित समन्वय के चलते पुलिस ने उसे उड़ान भरने से पहले ही दबोच लिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी ने कारोबारी समर्थ बरडिया को तंजानिया में गोल्ड माइन में हिस्सेदारी दिलाने का झांसा दिया। भरोसा मजबूत करने के लिए पीड़ित को तंजानिया बुलाया गया और अब्दुल्लाह किलियावापे न्युझे को पार्टनर के रूप में पेश किया गया।

सौदेबाजी और निवेश के नाम पर दो करोड़ रुपये से अधिक की रकम ठगी गई।

मामले में तंजानिया कनेक्शन सामने आने के बाद जांच का दायरा बढ़ाया गया। जमानत याचिका खारिज होने के बाद आरोपी देश छोड़कर भागने की कोशिश में था। तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचना के आधार पर उसे मुंबई एयरपोर्ट पर रोका गया।

इस मामले में सिविल लाइन्स थाना, रायपुर में धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र (धारा 120B) के तहत एफआईआर दर्ज है। सह-आरोपी अब्दुल्लाह किलियावापे न्युझे फिलहाल फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस का कहना है कि यह सिर्फ एक व्यक्ति से ठगी का मामला नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की आशंका भी जांच के दायरे में है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है और कई अहम खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

धारदार हथियार डिलीवरी करने वाले कोरियर संचालक गिरफ्तार

दुर्ग। जिले की उतई थाना क्षेत्र के ग्राम पुरई में हुई मारपीट की घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार की डिलीवरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामलें में कुरियर एजेंसी संचालक तथा डिलीवरी कर्मी के विरूद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। दिनांक 20जनवरी.2026 को थाना उतई क्षेत्रांतर्गत ग्राम पुरई में आरोपी लावन्य उर्फ लवन यादव द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर तोषण यादव एवं अन्य व्यक्तियों के साथ धारदार हथियार से मारपीट कर चोट पहुंचाई गई थी। प्रतिबंधित धारदार हथियार मीशो ई-कॉमर्स ऑनलाइन मार्केट प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑर्डर कर वाल्मो कोरियर एजेंसी, उतई द्वारा 03जनवरी2026 को संबंधित आरोपी को डिलीवर किया गया था।

महाशिवरात्रि पर भोले बाबा की बारात में हुआ विवाद

17 साल के नाबालिग की चाकू मारकर हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के मोहननगर थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक नाबालिग की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। शांति नगर शिव मंदिर के सामने 17 वर्षीय नानू गोंड उर्फ छय की अज्ञात युवकों ने पुराने विवाद के चलते हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक मृतक नानू उर्फ छय शांति नगर का रहने वाला था और शादियों में घोड़ी चलाने का काम करता था। महाशिवरात्रि के अवसर पर दो दिनों से चल रही भगवान की बारात में वह नाच-गाना कर रहा था। इसी दौरान 16 फरवरी की शाम कुछ युवक वहां पहुंचे और उसके साथ कहासुनी शुरू हो गई।

चाकू से वार कर किया घायल

विवाद कुछ ही देर में बढ़ गया और युवकों ने चाकू निकालकर नानू पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके पेट, सिर, पीठ सहित शरीर के कई हिस्सों पर वार किए। गंभीर रूप से घायल नानू को

तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रात में ही इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि करीब एक महीने पहले नानू का किसी युवक से विवाद हुआ था, उसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मोहन नगर थाने के बाहर जमा हो गए और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

संदिग्ध युवकों को लिया हिरासत में

पुलिस ने देर रात 4 से 5 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि इस मामले में फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

कटघोरा में जाल में फंसा तेंदुआ, वन मंडल ने छुड़ाया, शिकारी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रभावी प्रयासों और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में कटघोरा वनमंडल ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। पाली परिक्षेत्र में फंदे में फंसे तेंदुए का सफल रेस्क्यू कर आरोपी शिकारी की गिरफ्तारी की गई है, यह विभाग की त्वरित कार्यवाही, आधुनिक तकनीक और टीमवर्क की सफलता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि बीते 9 फरवरी की रात पाली परिक्षेत्र के लाफा बीट में सूचना मिली कि एक युवा तेंदुआ शिकारी द्वारा लगाए गए फंदे में फंस गया है। सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। कठिन पहाड़ी रास्ते और तेंदुए की आक्रामक स्थिति के बावजूद टीम ने तत्काल रेस्क्यू का निर्णय लिया।

उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद बिलासपुर से पशु चिकित्सक डॉ. चंदन और उनकी टीम को बुलाया गया। रात लगभग 10.40 बजे तेंदुए को सुरक्षित रूप से ट्रैंकुलाइज किया गया और कुछ ही मिनटों में उसे क्लच वायर के फंदे से बाहर निकाल लिया गया। घायल तेंदुए का प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए कानन पंडारी भेजा गया। अगले दिन अचानकमार टाइगर रिजर्व से डॉग स्क्वाड टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से सुराग जुटाते हुए आरोपी के घर तक पहुंच बनाई। वहां से शिकार में उपयोग किए गए तार और अन्य सामग्री बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी विजय कुमार गोंड ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उसे न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया। उपचार के बाद तेंदुए की स्थिति में सुधार होने पर विशेषज्ञों की सलाह से उसे पुनः जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। छोड़ने से पहले क्षेत्र में एंटी-स्नेयर वॉक कर अन्य फंदों की जांच की गई तथा ट्रैप कैमरों और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया। यह सफलता दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। वन विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया, वैज्ञानिक पद्धति और समन्वित प्रयासों से न केवल एक वन्यप्राणी का जीवन बचाया गया, बल्कि वन्यजीव अपराध करने वालों को भी कड़ा संदेश दिया गया है कि ऐसे अपराध अब बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH,
WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE OFFICE OF THE
SUPERINTENDING ENGINEER
SHIVNATH CIRCLE DURG (CHHATTISGARH)
e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
CORRIGENDUM No. 02
Following Amendment is made in System Tender No.: 184826/ NIT No.: 10/SAC/2025-26, Durg, Dated: 03.02.2026
Ammendment (01)
1. Bid Start Date and time : 13.02.2026, 17:31 Hours
2. Bid Due Date and time : 27.02.2026, 17:30 Hours
3. Bid Open Start Date and time : 02.03.2026, 11:30 Hours.
All other terms and condition will be unchanged.
G.No. 252606483
Executive Engineer
जी - 252606718/8
Tandula Water Resources Division, Durg (C.G.)
For, Superintending Engineer Shivnath Circle, Durg (C.G.)

राशन में छुपा कर नशा बेचने वाला धराया

बिलासपुर। रतनपुर में एक किराना दुकानदार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जो दाल चावल की आड़ में युवाओं को नशा बेच रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रेड मारकर व्यापारी अरविंद जैन उर्फअन्नू को रंगे हाथों दबोच लिया है।

आरोपी अपनी दुकान में गांजे की पुड़िया बनाकर बेचता था, जिसे पुलिस ने मौके से जब्त कर लिया है। रतनपुर पुलिस को खबर मिली थी कि भगत सिंह वार्ड में अन्नू जैन की दुकान पर अवैध काम चल रहा है। पुलिस टीम ने जब दुकान पर अचानक धावा बोला तो वहां से 225 ग्राम गांजा और बिक्री के 2300 रुपये नकद मिले। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल भी जब्त किया है और कुल करीब पंद्रह हजार का माल बरामद किया है।

खास खबर

विधायक-सांसदों के पेंशन पर पुनर्विचार की मांग

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव ने ई मेल और जोहो मेल से पत्र भेज कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से विधायक एवं सांसद को प्रदत्त आजीवन पेंशन व्यवस्था पर पुनर्विचार करते हुए इसे समाप्त या अंशदायी प्रणाली से जोड़ने की मांग की है। नामदेव ने कहा कि देश के करोड़ों कर्मचारी और पेंशनर लंबी सेवा, नियमित अंशदान एवं वैधानिक पात्रता के बाद पेंशन प्राप्त करते हैं, जबकि जनप्रतिनिधियों को अल्प कार्यकाल के पश्चात भी आजीवन पेंशन का प्रावधान है।

मेले में गुमी बालिका को पुलिस ने ढूंढ निकाला

कोरबा। बांगो शिव मंदिर में आयोजित मेले के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया जब भारी भीड़ के बीच एक छोटी बच्ची अपने परिजनों से बिछड़ गई। ड्यूटी पर तैनात बांगो पुलिस की नजर रोती हुई बच्ची पर पड़ी, जिसके बाद उसे तत्काल अपनी सुरक्षा में लिया गया। बच्ची घबराई हुई थी। उधर मेला समिति की ओर से साउंड सिस्टम के माध्यम से लगातार मुनादी कराई जाती रही। काफी समय तक परिजनों का पता नहीं चल पाया, जिससे चिंता बढ़ गई। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद घबराए हुए परिजन पुलिस तक पहुंचे। पुष्टि होने के बाद बच्ची को सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया गया।

रायपुर जिला एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन

रायपुर। प्रदेश में कमिश्नरेट लागू होने के बाद से ही अवैध नशे और नशे के कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई के बीच जिला एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के गठन करने की घोषणा की गई थी। वहीं आज रायपुर जिला एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन कर दिया गया है।नशा नियंत्रण और रोकथाम के लिए ए एन डी एफटीम का गठन किया गया है। अनुज कुमार एसीपी काईम एवं साईबर को नोडल अधिकारी बनाया गया है। डीसीपी क्राइम की मॉनिटरिंग काम करेगी। इस फोर्स में 1-1 इंस्पेक्टर, एस आई, ए एसआई, 3 हवालदार और 5 आरक्षक होंगे।

लोकतंत्र सेनानी निर्मल दादा से मुख्यमंत्री विष्णु ने की सौजन्य मुलाकात, ऐसे व्यक्तित्व देते हैं प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बैकुंठपुर निवासी 92 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी डॉ. निर्मल घोष के निवास पहुंचे और उनसे सौजन्य भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री श्री साय ने डॉ. घोष का शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। साथ ही उनके परिजनों से आत्मीय चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा डॉ. घोष का संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और जीवटता आज भी हमारे लिए प्रेरणादायी है। इस आयु में भी उनकी स्मरण शक्ति और ज्ञान हम सभी के लिए न केवल प्रेरणास्पद बल्कि अनुकरणीय है। लोकतंत्र सेनानी से मिलना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

इस अवसर पर डॉ. घोष ने वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान के अपने अनुभव मुख्यमंत्री से साझा किए। उन्होंने बताया कि आपातकाल के समय उन्हें लगभग 19 माह तक विभिन्न जेलों में निरुद्ध रखा गया था। डॉ. घोष ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने मिशन स्कूल, माधव राव सप्रे स्कूल तथा नागपुर में अध्ययन किया। 1955 में उन्होंने सागर विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और बीएमएस की डिग्री प्राप्त की। 1960 में बैकुंठपुर में निजी चिकित्सालय प्रारंभ किया और लंबे समय तक जनसेवा करते रहे। कृषि मंत्री राम विचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, भइया लाल राजवाड़े भी मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण को नई रफ्तार, 6 जिलों में रेडी-टू-ईट की मिली जिम्मेदारी

42 स्व-सहायता समूहों को मिला काम, इस काम के लिए महतारी से बेहतर कौन?

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में कुपोषण दूर करने और महिला सशक्तिकरण के लिए रेडी-टू-ईट फूड निर्माण का काम महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपते हुए 6 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। रायगढ़, बस्तर, दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार, कोरबा, और सूरजपुर जिलों में आंगनबाड़ियों के लिए पौष्टिक आहार निर्माण का कार्य महिला समूहों को मिला है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी टू ईट) के निर्माण और वितरण का कार्य महिला स्वसहायता समूहों को सौंपने का फैसला किया। 6 जिले के 42 महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी टू ईट के निर्माण और वितरण का कार्य सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति के इस मिशन को प्रथम चरण में बस्तर, दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार, कोरबा, रायगढ़ एवं सूरजपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा रहा है। वहीं रायगढ़ प्रदेश का पहला जिला बन गया है, जहां महिला समूहों ने 'रेडी-टू-ईट' उत्पादन प्रारंभ किया है। यह पहल महिलाओं की आर्थिक समृद्धि और बच्चों के स्वास्थ्यकृदोनों को नई दिशा प्रदान करेगी। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरबा-10 स्व-सहायता समूह को रेडी-टू-ईट निमाण का कार्य सौंपा जा चुका है। इसी प्रकार रायगढ़-10 स्व-सहायता समूह, सूरजपुर और बलौदाबाजार-भाठापारा जिला में 7-7 स्व- सहायता समूह को, बस्तर जिले में 6 स्व-सहायता समूह और दंतेवाड़ा में 2 महिला स्व-सहायता समूह को रेडी-टू-ईट निमाण का कार्य सौंपा जा चुका है। इन स्व-सहायता समूहों के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी टू ईट) का निर्माण और वितरण का कार्य किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि इन समूहों की बहनें अब आंगनबाड़ी के बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ-साथ इस कार्य से अपनी आमदनी भी बढ़ाएंगी, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। यह योजना महिलाओं को स्व-रोजगार के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण और परिणामोन्मुखी पहल है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से बच्चों को पोषण युक्त आहार प्रदान कर राज्य के पोषण स्तर में सुधार लाने में भी यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

पोड़ी के विकास को लगे पंख, सवा सौ करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के पोड़ी में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात देते हुए 88 करोड़ से अधिक की लागत के 59 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 38 करोड़ से अधिक की लागत के 82 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन विकास परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में अधोसंरचना सुदृढ़ होगी और जनसुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

उन्होंने कहा कि सड़क, भवन, सामुदायिक सुविधाओं और अन्य आवश्यक अधोसंरचना से जुड़े ये कार्य क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएँ बनाना नहीं, बल्कि उन्हें तेज गति, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारना है। हमारी सरकार परिणामोन्मुखी कार्य संस्कृति के साथ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक विकास की पहुँच सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और जनसुविधाओं के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिकों को सीधे लाभ मिल सके।

राजिम कुंभ कल्प के मंच पर आए 'रामायण' के राम, 'सुनो श्रीराम की कहानी' से किया भावविभोर

अरुण गोविल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की आत्मीय मुलाकात, की कुंभ कल्प की तारीफ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम की पावन धरा पर आयोजित राजिम कुंभ कल्प 2026 में आस्था, संस्कृति और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। त्रिवेणी संगम के पावन तट पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में सुप्रसिद्ध कलाकार एवं भगवान श्रीराम की भूमिका से जनमानस में विशेष पहचान रखने वाले अरुण गोविल ने सुनो श्री राम कहानी की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिससे संपूर्ण परिसर भक्ति और श्रद्धा के दिव्य वातावरण से ओतप्रोत हो उठा।

इस अवसर पर श्री गोविल ने मुख्यमंत्री श्री साय से आत्मीय भेंट की तथा राजिम कुंभ कल्प के भव्य आयोजन और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। श्री गोविल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, जनआस्था और लोगों का आत्मीय स्नेह उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत उत्सव है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आस्था, संस्कृति और पर्यटन के संरक्षण-संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा ऐसे आयोजनों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और भी ज्यादा मजबूत हो रही है। कार्यक्रम में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक रोहित साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति थी। उल्लेखनीय है कि राजिम कुंभ कल्प 2026 के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है। यह महोत्सव आस्था, संस्कृति और पर्यटन संवर्धन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है।

नक्समुक्त होते ही बदलने लगी सुकमा की तस्वीर

पोटा केबिन्स में होगी एआई बेस्ड लर्निंग, डिजिटल कौशल से लैस हो रहे वनवासी बच्चे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर/सुकमा। सुकमा जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नवाचार की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के 'सशक्त छत्तीसगढ़' विज़न के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा पोटाकेबिन (आवासीय विद्यालयों) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित शिक्षा प्रारंभ की गई है। यह पहल वनांचल के विद्यार्थियों को डिजिटल युग की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में इस अभियान का शुभारंभ लाइवलीहुड कॉलेज, सुकमा से किया गया। यहां आयोजित विशेष कार्यशाला में पोटाकेबिन विद्यालयों के शिक्षकों को अत्याधुनिक एआई टूल्स का व्यावहारिक एवं गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशासन का मानना है कि शिक्षकों का तकनीकी रूप से सशक्त होना ही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने की प्रथम शर्त है।

इस पहल के माध्यम से महानगरों में उपलब्ध उन्नत शैक्षणिक संसाधनों जैसी सुविधाएँ अब दूरस्थ अंचलों में निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। एआई आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों में कोडिंग, तार्किक चिंतन एवं समस्या समाधान क्षमता का विकास होगा। इससे वे डिजिटल कौशल से लैस होकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकेंगे।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को 'फ्यूचर रेडी' बनाना है। पोटाकेबिन विद्यालयों में स्मार्ट लर्निंग मॉडल एवं स्मार्ट प्रोजेक्टर के माध्यम से गणित एवं विज्ञान जैसे विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से पढ़ाया जाएगा। यह पहल सुकमा को शिक्षा के नवाचार मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

जन सुविधा शिविरों से बदली तस्वीर 9473 ग्रामीणों को मिला सीधा लाभ

शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से सुकमा जिले में व्यापक स्तर पर जन सुविधा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में 4 फरवरी से प्रारंभ यह अभियान प्रशासन की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

अब तक कोंटा, छिंदगढ़ और सुकमा विकासखंड के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में 23 शिविरों का सफल आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 40 ग्रामों के ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया है। यह जन-अभियान 28 फरवरी तक सतत रूप से संचालित होगा। शिविरों में जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी स्वयं उपस्थित रहकर योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी समीक्षा कर रहे हैं। पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया जा रहा है।

जन सुविधा शिविरों में एक ही स्थान पर आधार अपडेट एवं नवीन पंजीयन, आयुष्मान कार्ड निर्माण, आभा आईडी जनरेशन, वय वंदन योजना कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, किसान पंजीयन एवं उसका अद्यतन, ई-केवाईसी की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस एकीकृत व्यवस्था से ग्रामीणों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। अब तक कुल 9,473 ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा चुका है।

डॉ चायवाला ने एनवर्सरी पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्रसूति विभाग को भेंट की गीजर

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। समाज में अपनी सेवा भावना के लिए डॉक्टर चाय वाला के नाम से प्रसिद्ध अशोक जायसवाल ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ को एक नई दिशा देते हुए अनुकरणीय पहल की है। इस विशेष अवसर पर उन्होंने महारानी अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालय डिमरापाल के प्रसूति वार्ड में माताओं और नवजात शिशुओं की सुविधा के लिए गीजर मशीन लगवाकर गर्म पानी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित कराई है।

प्रसूति वार्ड में भर्ती माताओं को विशेष रूप से ठंड के मौसम और रात्रि के समय गर्म पानी की अत्यंत आवश्यकता होती है। नवजात शिशुओं की देखभाल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यह व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। अशोक जायसवाल की इस पहल से अब वार्ड में उपचाररत माताओं को बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर अशोक जायसवाल ने कहा, वैवाहिक वर्षगांठ केवल व्यक्तिगत खुशी का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाने का भी अवसर है। यदि हमारे इस छोटे से प्रयास से किसी माँ को सुविधा और किसी नवजात को सुरक्षा मिलती है, तो यही हमारे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है। हम चाहते हैं कि समाज का हर व्यक्ति अपने विशेष अवसरों को सेवा से जोड़े।

अस्पताल प्रशासन ने इस सराहनीय पहल के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना भी बढ़ाते हैं।

अशोक जायसवाल की यह अनोखी पहल समाज के अन्य नागरिकों, व्यवसायियों और संस्थाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। यदि हर व्यक्ति अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों को सामाजिक सेवा से जोड़े, तो निश्चित ही हमारे अस्पतालों और जरूरतमंदों की स्थिति और बेहतर हो सकती है। यह पहल संदेश देती है कि सच्चा उत्सव वही है, जो दूसरों के जीवन में राहत, सुविधा और मुस्कान लेकर आए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950